राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार, 25 जुन 2022 वर्ष–5,अंक–150 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकनाथ शिंदे की बढ़ रही 'सेना', एनसीपी और कांग्रेस से भी नंबरगेम में हो सकते हैं आगे

2019 विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 105 सीटों पर जीत के साथ भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ा दल बनी थी। हालांकि, राकंपा, कांग्रेस और शिवसेना के साथ आने के चलते पार्टी सरकार बनाने में असफल रही थी।

नई दिल्ली। महाराष्ट्र की सियासत में कभी भी कुछ भी हो सकता है। संख्या बल के लिहाज से शिवसेना विधायक एकनाथ शिंदे का समूह लगातार ताकतवर होता जा रहा है। वहीं, एक सप्ताह पहले सरकार चला रही शिवसेना के पास विधायकों की संख्या लगातार घटती जा रही है। अगर दोनों पार्टियों के बीच ग्राफ को देखें, तो शिवसेना का बागी खेमा सत्तारूढ़ गठबंधन में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस से भी आगे निकलता दिख रहा है।

अब तक सामने आए आंकड़ों को देखें, तो एकनाथ शिंदे के पास शिवसेना के 37 बागी विधायक हैं। वहीं, खबर है कि एक और रू आनंद लांडे भी गुवाहाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। इस लिहाज से बागी खेमे का आंकड़ा 38 पर पहुंच सकता है। इसके अलावा

एमवीए के 9 बागी और एनडीए समर्थक 7 विधायक भी शिंदे के साथ नजर आ रहे हैं। ऐसे में बागी खेमे की संख्या 54 पर पहुंच सकती है।

2019 विधानसभा चुनाव में महाराष्ट्र में 105 सीटों पर जीत के साथ भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ा दल बनी थी। हालांकि, राकंपा, कांग्रेस और शिवसेना के साथ आने के चलते पार्टी सरकार बनाने में असफल रही थी। चुनाव में वरिष्ठ नेता शरद पवार की पार्टी के खाते में 54 सीटें आई थीं। जबकि, कांग्रेस के मामले में यह आंकड़ा 44 पर था। मुखिया की भूमिका निभाने वाली शिवसेना को 56 सीटें मिली थी।

इन तीनों दलों के अलावा एमवीए सरकार को बहुजन विकास अघाड़ी, समाजवादी पार्टी, प्रहार जनशक्ति पार्टी, पीसेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी ऑफ इंडिया ने भी समर्थन दिया था। संयुक्त रूप से इन पार्टियों की सीटों की संख्या 8 है।

दल बदल कानून की बाधा को किया पार

गुरुवार सुबह शिवसेना के विधायक दीपक केसरकर, सदा सर्वांकर और आशीष जयसवाल रेडिसन ब्लू पहुंचे थे। शिंदे समेय कई बागी नेताओं ने उनका स्वागत किया था। हालांकि, खबर आई थी कि केसरकर बाद में होटल से निकल गए थे। इसके बाद दादा भुसे और संजय राठौड़ भी होटल पहुंच गए थे। दल बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होने से बचने के लिए 55 में से 37 विधायकों यानि 2/3 समर्थन की जरूरत थी।

अब तक सामने आए आंकड़ों को देखें, तो एकनाथ शिंदे के पास शिवसेना के 37 बागी विधायक हैं। वहीं, खबर है कि एक और रूआनंद लांडे भी गुवाहाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। इस लिहाज से बागी खेमे का आंकड़ा 38 पर पहुंच सकता है। इसके अलावा एमवीए के 9 बागी और एनडीए समर्थक 7 विधायक भी शिंदे के साथ नजर आ रहे हैं।

कोरोना वैक्सीन न लगती तो देश में बीते साल 42 लाख और लोगों की होती मौत, स्टडी में दावा

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन ने 2021 में भारत में 42 लाख से अधिक संभावित मौतों को रोकने का काम किया। द लैंसेट इंफेक्शियस डिजीज जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में यह दावा किया गया है। यह महामारी के दौरान देश में हुई मौतों की दर के अनुमान पर आधारित है। रिसर्च में पाया गया कि कोविड-19 टीकों से महामारी के दौरान दुनिया भर में 20 मिलियन संभावित मौतें कम हुईं। शोधकर्ताओं ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम के पहले साल में संभावित 31.4 मिलियन मौतों में से 19.8 मिलियन को दुनिया भर में रोका गया। 185 देशों में हुई मौतों के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है। यह भी अनुमान है कि अगर 2021 के अंत तक प्रत्येक देश में 40 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हुआ होता तो 5,99,300 लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

8 दिसंबर 2020-8 दिसंबर 2021 के बीच का अनुमान-इस अध्ययन में 8 दिसंबर, 2020 और 8 दिसंबर, 2021 के बीच रोकी गई मौतों की संख्या का अनुमान लगाया है। जो कि पहले वर्ष को कवर करता है, जिस दौरान टीके लगाने शुरू हुए थे। स्टडी के प्रमुख लेखक ओलिवर वाटसन ने कहा, ÷भारत के लिए हमारा अनुमान है कि इस अवधि में टीकाकरण से 42,10,000 मौतों को रोका गया। यह हमारा केंद्रीय अनुमान है, जिसमें अनिश्चितता 36,65,000-43,70,000 के बीच है। वाटसन ने कहा, ÷इस मॉडलिंग अध्ययन से पता चलता है कि भारत में टीकाकरण अभियान ने लाखों लोगों की जान बचाई है। यह वैक्सीनेशन के अहम प्रभाव को दर्शाता है। विशेष रूप से भारत में जो डेल्टा वैरिएंट की मार झेलने वाला पहला देश था। यह संख्या इस अनुमान पर आधारित है कि महामारी के दौरान देश में 51,60,000 (48,24,000-56,29,000) मौतें हुई होंगी,

गुजरात दंगों में नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट के खिलाफ अर्जी SC में खारिज, जाकिया जाफरी ने की थी दायर

नई दिल्ली। गुजरात में 2002 में हुए दंगों के मामले में तत्कालीन सीएम नरेंद्र मोदी को एसआईटी की क्लीन चिट को चुनौती देने वाली याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। पूर्व कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की विधवा जाकिया जाफरी ने यह अर्जी 2018 में दाखिल की थी। इस पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एएम खानविलकर, दिनेश माहेश्वरी और सीटी रविकुमार की पीठ ने 9 दिसंबर, 2021 को फैसला सुरक्षित रख लिया था। इसमें दंगों के मामलों की जांच कर रहे SIT की ओर से दायर क्लोजर रिपोर्ट को चुनौती दी गई थी, जिसमें 64 लोगों को क्लीन चिट दी गई।

दोषमुक्त व्यक्तियों में से एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी थे, जो गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री थे। जाफरी के पति की गुलबर्गा सोसाइटी में दंगों के दौरान मृत्यु हो गई थी। उन्होंने दंगों के पीछे की बड़ी साजिश होने का दावा किया और 2006 में इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के मामलों की निगरानी के दौरान 2011 में एसआईटी को आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया था। फरवरी 2012 में एसआईटी ने शिकायत पर क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने निचली अदालत में अर्जी देकर क्लोजर रिपोर्ट को चुनौती दी थी, जिसे खारिज कर दिया गया।

2018 में खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा-क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ एक अपील गुजरात उच्च न्यायालय के समक्ष भी लाई गई, जिसने 5 अक्टूबर 2017 को इसे ठुकरा दिया। इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने 2018 में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले की सुनवाई 14 दिनों तक चली और याचिकाकर्ताओं का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने किया। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने किया जबकि वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी एसआईटी की ओर से पेश हुए। गोधरा ट्रेन जलाने की घटना में अयोध्या से लौट रहे 59 लोगों के मारे जाने के एक दिन बाद दंगे भड़क उठे थे। दंगों के दौरान 1000 से अधिक लोग मारे गए। एहसान जाफरी अहमदाबाद की गुलबर्गा सोसाइटी में 28 फरवरी, 2002 को ट्रेन जलने की घटना के एक दिन बाद मारे गए 69 लोगों में से एक थे।

कोरोना के नए केस 4 महीने के टॉप पर, महाराष्ट्र, दिल्ली और यूपी समेत 10 राज्य बढ़ा रहे चिंता

नई दिल्ली। देश में कोरोना के केसों में बीते कई महीनों से कमी देखने को मिल रही थी, लेकिन कुछ दिनों से यह आंकड़ा डराने वाला है। बीते एक दिन में कोरोना के 17,336 नए मामले आए हैं, जिसके साथ ही देश में एक्टिव केसों की संख्या तेजी से बढ़ते हुए 88,284 तक पहुंच गई है। 20 फरवरी के बाद कोरोना के नए केसों का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले गुरुवार को नए केसों की संख्या 13,313 ही थी। खासतौर पर महाराष्ट्र और खासतौर पर मुंबई एवं पुणे जैसे शहर एक बार फिर से कोरोना हब बनते दिख रहे हैं। बीते एक दिन में अकेले महाराष्ट्र में ही 5218 नए केस मिले हैं। इनमें भी आधे केस तो मुंबई के ही हैं। जहां बीते एक दिन में 2,479 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं।

यह आंकड़ा इसलिए चिंता में डालने वाला है क्योंकि बुधवार को 1,648 केस ही मिले थे। ऐसे में 50 फीसदी के करीब का उछाल बढ़ती संक्रमण दर की ओर इशारा कर रहा है। मुंबई में तीन दिनों के बाद कोरोना के नए केसों का आंकड़ा 2,000 के पार पहुंचा है। राज्य में अभी 24,867 सक्रिय मामले हैं और इनमें से ज्यादातर केस मुंबई एवं उसके आसपास के

उपनगरीय इलाकों में हैं। ठाणे में ही बीते कई दिनों से कोरोना के नए केसों की संख्या 1,000 से अधिक बनी हुई है। मुंबई में 7 जून से लगातार एक हजार से अधिक नए मामले पाए जा रहे हैं।

दिल्ली, महाराष्ट्र और यूपी समेत 10 राज्य बढ़ा रहे चिंता-स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक महाराष्ट्र, केरल, दिल्ली, कर्नाटक, यूपी, हरियाणा समेत देश के 10 राज्य चिंता की वजह बने हुए हैं। इन राज्यों में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 1,000 से अधिक बनी हुई है। इन राज्यों में तेलंगाना, गुजरात, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु भी शामिल हैं। बता दें कि गुरुवार को स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया के नेतृत्व में कोरोना की रिव्यू मीटिंग भी हुई थी। इसमें हेल्थ मिनिस्टर ने राज्यों को सलाह दी थी कि उन्हें उन जिलों पर फोकस बढ़ाना चाहिए, जहां पॉजिटिविटी रेट ज्यादा है। इसके अलावा टेस्टिंग में इजाफा करने की भी सलाह दी गई है।

दिल्ली में भी एक दिन में डबल हो गए नए केस-राजधानी दिल्ली की बात करें तो यहां भी कोरोना के केसों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। गुरुवार को 1,934 नए केस मिले हैं और पॉजिटिविटी रेट तेजी से बढ़ते हुए 8.10 फीसदी तक पहुंच गया है। बुधवार को नए केसों का आंकड़ा 928 ही था, ऐसे में एक ही दिन में नए केस दोगुने हो गए हैं। फिलहाल दिल्ली में कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या 5,755 है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, अक्टूबर से फरवरी तक ट्रकों की आवाजाही पर लगाया बैन

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली जाने वाले भारी वाहन यानि ट्रकों को लेकर सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। दिल्ली सरकार ने इस साल अक्टूबर से लेकर फरवरी 2023 तक ट्रकों और अन्य भारी वाहनों के शहर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। सरकार ने यह फैसला सर्दियों के महीनों में होने वाले वायु प्रदूषण को कम करने के लिए लिया है। सरकार ने कहा कि 1 अक्टूबर 2022 से 28 फरवरी 2023 तक किसी भी भारी वाहन और ट्रकों को शहर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जानकारी के लिए बता दें कि पिछले वर्षों में सर्दियों के

महीनों में राष्ट्रीय राजधानी में वायु गुणवत्ता काफी खतरनाक लेवल पर चली जाती थी जिससे लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो जाता था।

जिससे औद्योगिक निर्वहन, मोटर वाहन उत्सर्जन और पड़ोसी हरियाणा और पंजाब में फसल-अवशेष जलने के कारण प्रदूषणकारी पार्टिकुलेट मैटर 2.5 या पीएम2.5 का स्तर सर्दियों के महीनों में तेजी से बढ़ गया था। बता दें कि अधिकांश ट्रक डीजल पर चलते हैं, जो अन्य वाहनों के मुकाबले अधिक वायु प्रदूषक है।जिसे देखते हुए सरकार ने वायु प्रदूषण के चरम स्तर को रोकने के लिए ट्रकों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है।

2021 में रची गई सिद्धू मूसेवाला की हत्या की साजिश, लॉरेंस बिश्नोई गैंग तीसरी कोशिश में हुआ सफल

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने घोषणा की कि उसने गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के सिलसिले में लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के 32 गैंगस्टर और सहयोगियों को गिरफ्तार किया है। उनमें से 13 सीधे तौर पर हत्या की साजिश में शामिल थे, जबकि 19 उनके सहयोगी थे। ये लोग गिरोह को अवैध गतिविधियों, धन और हथियारों की आपूर्ति के अलावा अन्य रसद मुहैया कराने में मदद करते थे।

एजीटीएफ प्रमुख एडीजीपी प्रमोद बान ने कहा कि मूसेवाला को मारने की योजना पिछले साल अगस्त में शुरू हुई थी, यानी कि यूथ अकाली दल के नेता विक्की मिद्दुखेड़ा की हत्या के बाद। उन्होंने कहा, ÷लॉरेंस बिश्नोई साजिश का मास्टरमाइंड था, जिसे उसने तिहाड़ जेल से इसे रचा था। इसका मकसद मिद्दुखेड़ा की हत्या का बदला लेना था। लॉरेंस गिरोह का मानना था कि गायक अकाली नेता की हत्या में शामिल था। हालांकि, पंजाब पुलिस ने अकाली नेता की हत्या की जांच में गायक की भूमिका नहीं पाई।

एजीटीएफ प्रमुख एडीजीपी प्रमोद बान ने कहा कि मूसेवाला को मारने की योजना पिछले साल अगस्त में शुरू हुई थी, यानी कि यूथ अकाली दल के नेता विक्की मिद्दुखेड़ा की हत्या के बाद। उन्होंने कहा, लॉरेंस बिश्नोई साजिश का मास्टरमाइंड था, जिसे उसने तिहाड़ जेल से इसे रचा था।

जनवरी में हुई हत्या की पहली कोशिश

तीसरे प्रयास में यह गिरोह मूसेवाला की हत्या करने में सफल रहा। पहली बार जनवरी में गैंगस्टरों के एक अन्य गुट के जरिए हत्या की कोशिश की गई, इस मॉड्यूल का नेतृत्व गैंगस्टर शाहरुख खान ने किया था। हालांकि, उन्हें सफलता नहीं मिली। बाद में वे 25 मई को अपने टारगेट के करीब आए, लेकिन नाकाम रहे। इसके बाद 29 मई की शाम को जवाहर के गांव में उन्होंने गायक को मार डाला।

13वें आरोपी बलदेव निक्कू की गिरफ्तारी

एडीजीपी ने हत्या में सीधे तौर पर शामिल 13वें आरोपी बलदेव निक्कू की गिरफ्तारी की घोषणा की। उन्होंने कहा कि निक्कू और केकड़ा साजिश का मुख्य आरोपी था। निक्कू सिरसा का रहने वाला है और 14 मामलों में भगोड़ा अपराधी रहा है। उन्होंने बताया कि वह गायक के घर की रेकी में शामिल था। हत्या वाले दिन जब गायक अपने घर से बाहर आया तो उसने मूसेवाला के साथ एक सेल्फी ली। निक्कू ने केकड़ा के साथ गोल्डी बराड़ और सचिन बिश्नोई को वीडियो कॉल किया और शूटर्स तक संकेत पहुंचाया।

दिल्ली में बढ़ेगी गर्मी, असम में बाढ़; इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में मानसून की दस्तक हो गई है तो कई राज्यों को मानसून का इंतजार है। इन सबके बीच, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में बारिश की संभावना है। आज भोपाल में गरज के साथ बारिश के भी आसार हैं। अहमदाबाद में आज बादल छाए रहेंगे और साथ ही हल्की बारिश हो सकती है। बिहार के कई इलाकों में मानसून की एंट्री हो चुकी है। इसकी वजह से बिहार के कई इलाकों के बारिश की गतिविधियां देखने को मिल रही हैं। बारिश के चलते बिहार के कई इलाकों में तापमान में कमी दर्ज की गई है।

राजधानी दिल्ली में पिछले कुछ दिनों तक हुई बारिश के बाद एक बार मौसम के बदलने की संभावना है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली में आज आसमान साफ रहेगा। वहीं, तापमान में बढ़ोतरी दर्ज की जा सकती है। वहीं असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बाढ़ प्रभावित 14 जिलों में एनडीआरएफ की 26 टीमें लगाई गईं।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग के मुताबिक, देश के पूर्वी हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून की बारिश के बाद अब पश्चिमी इलाकों में बारिश होने की पूरी संभावना है। पूर्वानुमान के मुताबिक, कर्नाटक, कोंकण, गोवा, केरल, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी में भारी बारिश की संभावना है।

राजधानी दिल्ली में तेज धूप के कारण फिर बढ़ने लगी गर्मी

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आकाश साफ होते ही तेज धूप निकलने से गर्मी फिर बढ़ने लगी है। हालांकि, वातावरण में नमी और मध्यम गति की हवा चलने से दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री

सेल्सियस कम रहा। लेकिन, शनिवार और रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का पूर्वानुमान जताया गया है। साथ ही मानसून की रफ्तार भी थोड़ी कमजोर पड़ने के कारण इसके दिल्ली पहुंचने में दो-तीन दिन की देरी हो सकती है।

दिल्ली में 27 जून से प्री मानसून की संभावना

मौसम विभाग के अनुसार, शुक्रवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इसके बाद दो दिन गर्मी अधिक रहेगी। रविवार से मौसम में बदलाव शुरू होने की संभावना है। इससे 27 और 28 जून को राजधानी के कुछ इलाकों में प्री-मानसून हल्की वर्षा हो सकती है। मंगलवार के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। वर्षा होने पर गर्मी से राहत मिलेगी।

दिल्ली में मानसून कब देगा दस्तक

मौसम विभाग के विशेषज्ञ आरके जेनामणि कहते हैं कि मौजूदा परिस्थिति में अगले चार दिन का जो पूर्वानुमान है, इस दौरान मानसून नहीं आ रहा है। इसलिए अभी दिल्ली में मानसून पहुंचने की तिथि घोषित नहीं की गई है। वहीं, स्काईमेट वेदर के विशेषज्ञ महेश पलावत ने कहा कि 29 या 30 जून को मानसून पहुंचने की संभावना है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, एनडीआरएफ कर रहा लोगों की मदद

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बाढ़ में फंसे लोगों को बाहर निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। एनडीआरएफ ने अब तक लगभग 17,500 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। एनडीआरएफ ने जानकारी देते हुए कहा है कि इनमें से नौ सौ लोगों को गुरुवार को निकाला गया।

असम में बाढ़ से अब तक 101 लोगों की मौत

14 बाढ़ प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ की 26 टीमें लगाई गईं। 16 जून से राज्य में बचाव एवं राहत अभियान शुरू किया गया था। इस दौरान नौ लोगों की जान बचाई जा चुकी है। एनडीआरएफ ने बताया कि राज्य में 54.5 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। 12 और लोगों की मौत की सूचना है। उन्होंने कहा कि मई के मध्य से अब तक बाढ़ से मरने वालों की संख्या 101 हो गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार जो बच्चों को सिखाते हैं, उन पर बड़े खुद अमल करें तो यह संसार स्वर्ग बन जाय। - श्रीराम शर्मा आचार्य

संपादकीय

ब्रिक्स : भारत का मध्यम मार्ग

'ब्रिक्स' याने ब्राजील, एशिया, इंडिया, चाइना और साउथ अफ्रीका! इन देशों के नाम के पहले अक्षरों को जोड़कर इस अंतरराष्ट्रीय संगठन का नाम रखा गया है। इसका 14 वाँ शिखर सम्मेलन इस बार पेइचिंग में हुआ, क्योंकि आजकल चीन इसका अध्यक्ष है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन नहीं गए लेकिन इसमें उन्होंने दिल्ली में बैठे-बैठे ही भाग लिया। उनके चीन नहीं जाने का कारण बताने की जरुरत नहीं है, हालांकि गलवान-विवाद के बावजूद चीन-भारत व्यापार में इधर काफी वृद्धि हुई है। ब्रिक्स के इस संगठन में भारत अकेला ऐसा राष्ट्र है, जो दोनों महाशक्तियों के नए गठबंधनों का सदस्य हैं। भारत उस चौगुटे का सदस्य है, जिसमें अमेरिका, जापान और आस्ट्रेलिया भी सम्मिलत हैं और उस नए चौगुटे का भी सदस्य है, जिसमें अमेरिका, इस्राइल और संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) सदस्य हैं। चीन खुले-आम कहता है कि ये दोनों गुट शीतयुद्ध-मानसिकता के प्रतीक हैं। ये अमेरिका ने इसलिए बनाए हैं कि उसे चीन और रूस के खिलाफजगह-जगह मोर्चे खड़े करने हैं। यह बात चीनी नेता शी चिन पिंग ने ब्रिक्स के इस शिखर सम्मेलन में भी दोहराई है लेकिन भारत का रवैया बिल्कुल मध्यममार्गी है। वह न तो यूक्रेन के सवाल पर रूस और चीन का पक्ष लेता है और न ही अमेरिका का! इस शिखर सम्मेलन में भी उसने रूस और यूक्रेन में संवाद के द्वारा सारे विवाद को हल करने की बात कही है, जिसे संयुक्त वक्तव्य में भी उचित स्थान मिला है। इसी तरह मोदी ने ब्रिक्स राष्ट्रों के बीच बढ़ते हुए पारस्परिक सहयोग की नई पहलों का स्वागत किया है। उन्होंने जिस बात पर सबसे ज्यादा जोर दिया है, वह है— इन राष्ट्रों की जनता का जनता से सीधा संबंध! इस मामले में भारत के पड़ौसी दक्षेस (सार्क) के देशों का ही कोई प्रभावशाली स्वायत्त संगठन नहीं है तो ब्रिक्स और चौगुटे देशों की जनता के सीधे संपर्कों का क्या कहना? मेरी कोशिश है कि शीघ्र ही भारत के 16 पड़ौसी राष्ट्रों का संगठन 'जन-दक्षेस' (पीपल्स सार्क) के नाम से खड़ा किया जा सके। ब्रिक्स के संयुक्त वक्तव्य में आतंकवाद का विरोध भी स्पष्ट शब्दों में किया गया है और अफगानिस्तान की मदद का भी आह्वान किया गया है। किसी अन्य देश द्वारा वहां आतंकवाद को पनपाना भी अनुचित बताया गया है। चीन ने इस पाकिस्तान-विरोधी विचार को संयुक्त वक्तव्य में जाने दिया है, यह भारत की सफलता है। ब्रिक्स के सदस्यों में कई मतभेद हैं लेकिन उन्हें संयुक्त वक्तव्य में कोई स्थान नहीं मिला है। ब्रिक्स में कुछ नए राष्ट्र भी जुड़ना चाहते हैं। यदि ब्रिक्स की सदस्यता के कारण चीन और भारत के विवाद सुलझ सकें तो यह दुनिया का बड़ा ताकतवर संगठन बन सकता है, क्योंकि इसमें दुनिया के 41 प्रतिशत लोग रहते हैं, इसकी कुल जीडीपी 24 प्रतिशत है और दुनिया का 16 प्रतिशत व्यापार भी इन राष्ट्रों के द्वारा होता है।

(डॉ. वैदिक, भारतीय विदेश नीति परिषद के अध्यक्ष हैं)

आज के कार्टुन

उत्तम कार्य

श्रीराम शर्मा आचार्य/ श्रेष्ठ कार्य वह है, जो श्रेष्ठ उद्देश्य के लिए किया जाता है। उत्तम कार्यों की कार्य प्रणाली भी प्राय: उत्तम ही होती है। दूसरों की सेवा या सहायता करनी है, तो प्राय: उसके लिए मधुर भाषण, नम्रता, दान, उपहार आदि द्वारा ही उसे संतुष्ट किया जाता है। परन्तु कई बार इसके विपरीत स्थिति सामने आती है कि सदुद्देश्य होते हुए भी, भावनाएं उच्च, श्रेष्ठ, सात्विक होते हुए भी क्रिया-प्रणाली ऐसी कठोर, तीक्ष्ण एवं कटु बनानी पड़ती है, जिससे लोगों को यह भ्रम हो जाता है कि कहीं यह सब दुर्भाव से प्रेरित होकर तो नहीं किया गया। ऐसे अवसरों पर वास्तविकता का निर्णय करने में बहुत सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। सीधे-सादे अवसरों पर सीधी-सादी प्रणाली से भली प्रकार काम चल जाता है। किसी भूखे, प्यासे की सहायता करनी है, तो वह कार्य अन्न-जल देने के सीधे-सादे तरीके से चल जाता है। इसी प्रकार किसी दु:खी या अभावग्रस्त को अभीष्ट वस्तुएं देकर उसकी सेवा की जा सकती है। धर्मशाला, कुआं, पाठशाला, अनाथालय, औषधालय आदि के द्वारा लोकसेवा की जा सकती है। ऐसे कार्य निश्चय ही श्रेष्ठ हैं और उनकी आवश्यकताएं एवं उपयोगिता सर्वत्र स्वीकार की जा सकती है। परन्तु कई बार इस प्रकार की सेवा की भी बड़ी आवश्यकता होती है, जो प्रत्यक्ष में बुराई मालूम पड़ती है और उसके करने वाले को अपयश ओढ़ना पड़ता है। इस मार्ग को अपनाने का साहस हर किसी में नहीं होता। बिरले बहादुर ही इस प्रकार की दुस्साहसभरी सेवा करने को तैयार रहते हैं। दुष्ट और अज्ञानियों को उस मार्ग से छुड़ाना, जिस पर कि वे बड़ी ममता और अहंकार के साथ प्रवृत्त हो रहे हैं, कोई साधारण काम नहीं है। सीधे आदमी सीधे तरीके से मान जाते हैं। उनकी भूल ज्ञान से, तर्क से, समझाने से सुधर जाती है, पर जिनकी मनोभूमि अज्ञानान्धकार से कलुषित हो रही है और साथ ही जिनके पास कुछ शक्ति भी है, वे ऐसे मदान्ध हो जाते हैं कि सीधी-सादी क्रिया-प्रणाली का उन पर प्राय: कुछ भी असर नहीं होता। मनुष्य शरीर धारण करने पर भी जिनमें पशुत्व की प्रबलता और प्रधानता है, ऐसे प्राणियों की कमी नहीं है। ऐसे प्राणी सज्जनता, साधुता और सात्विकता का कुछ भी मूल्यांकन नहीं करते। ज्ञान, तर्क, नम्रता, सज्जनता, सहनशीलता से उन्हें अनीति के दु:खदाई मार्ग पर से पीछे नहीं हटाया जा सकता। पशु समझाने से नहीं मानता।

कश्मीरियत की अग्नि परीक्षा

(लेखक- मुकेश तिवारी)

धरती का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर मे विभाजन कारी एवं विवादित अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35 ए निष्प्रभावी होने के बाद मोदी सरकार सबसे अहम काम जम्मू कश्मीर को अन्य राज्यों की तरह मुख्यधारा में शामिल करने का किया केंद्र सरकार के इस कदम ने घाटी के हालात तेजी से बदल के रख दिए थे, 5 अगस्त 2019 कोअनुच्छेद 370 निष्प्रभावी होने के पश्चात घाटी की सड़कों पर आए दिन होने वाली निरपराध लोगों की हत्या पर विराम लग गया था,यही नहीजम्मू और कश्मीर में प्रशासन की लोगों तक पहुंच बढ़ी थी , साथ ही राज्य के आवाम को नए आत्मविश्वास से लबरेज भी कर दिया था ,विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन ने काफी उम्दा काम किया वास्तविकता यह है किपिछले ढाई साल से भी ज्यादा समय में सुरक्षा बलों की कार्रवाई के चलते निरपराध कश्मीरी मारा नहीं गया ,कड़वा सच तो यह है कि अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी होने के पश्चात ही जम्मू-कश्मीर की तस्वीर काफी तेजी से बदलना शुरू हो गई थी जिस तेजी से घाटी में स्थितियां सामान हुई थी उसी तेजी से बीते कुछ समय से कुछ नकारात्मक तत्वों के कारण घाटी के हालात पुनः बिगड़ना शुरू हो गए इसका अंदाज इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारियों मैं रत प्रतिभाशाली छात्र राह भटक कर आतंकी गतिविधियों में बढ चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं इन तथ्यों का खुलासा बीते दिनों सुरक्षा एजेंसियों के साथ हुई मुठभेड़ में मारे गए चारों आतंकियों की पहचान के बाद हुई तफ्तीश मैं हुआ था ,मौजूदा हालात नेसुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा कर रख दी है उधर माता-पिता भी आपने प्रतिभाशाली बच्चो के अपराधिक दुनिया में कदम रखने से उनके भविष्य को ग्रहण लगता दे ख खासहैरान परेशान है, दरअसल में 2019 मैं अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी किए जाने के पश्चात जून 2020 से घाटी की स्थितियां बिगड़नाप्रारंभ हो गई थी गंभीरता से पुनः आकलन की जरूरत महसूस होने लगी थी ,कश्मीर में बीते कुछ महीनों में आतंकवादियों द्वारा अपने नापाक मंसूबों को पूरा करने के मकसद से एक जाति विशेष के निरपराध लोगों को लक्षित करके उनकी हत्या किए जाने से खौफ का वातावरण बन गया है कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा लक्षित हत्या की घटनाएं भले ही पहली बार नहीं हो रही हो फिर भी जम्मू-कश्मीर के विशेष दर्जे के समाप्त होने तथा उसके सीधे केंद्र के नियंत्रण में आने के पश्चात से और खासकर पिछले छह महीनों में ऐसी वारदात तेजी से बढ़ी है इससे भी महत्वपूर्ण है कि ऐसी लक्षित हत्याओं के निशाने पर पहली बार बाहर से आए कामगार ही नहीं कश्मीरी पंडितों की घाटी में वापसी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर शुरू की गई विशेष योजना के अंतर्गत घाटी में विभिन्न स्थानों पर तैनात किए गए करीब 5000 कर्मचारी तथा हिंदू शिक्षक भी है ,स्वाभाविक रूप से ऐसी घटनाओं से गैर स्थानी य लोग तथा कश्मीरी पंडित व अन्य हिंदुओं में दहशत बढ़ती जा रही है इसके साथ ही हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए भले ही खीर भवानी मेले में कश्मीरी मुस्लिमों और पंडितों के मध्य एकजुटता की कसमें खाई गई हो ,मगर आए दिन मारे जा रहे कश्मीरी पंडितों की शव यात्रा में कश्मीरी मुसलमान संख्या में सबसे ज्यादा और सबसे आगे खड़े दिखाई देते हो लेकिन असलियत यह है कि कश्मीर का बाशिंदा टारगेट किलिंग की घटनाओं को लेकर चुप्पी साधे हुए है,वह अब भी उसी तरह चुप्पी साधे हुए है, जैसी कि 1990 में सादे हुए था कश्मीर में अल्पसंख्यकों के साथ जो घटित हो रहा है उसके लिए समाज के एक बड़े हिस्से के मोन समर्थकनको भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए यह सब अकारण भी नहीं है इसकी खास वजह है और कई कारण भी जो कश्मीरी पंडित वर्षों से कश्मीर में रह रहे हैं और जिन्होंने 90 के दौर में भी घाटीमै बने अपने पुश्तैनी आवास को नहीं छोड़ा था उनकी शिकायत यह है कि सरकार ने कश्मीर में लौटे पंडितों के लिए तो सुविधाओं और रियायतोका अंबार लगा दिया ,लेकिन उनकी सुध नहीं ली ,जम्मू कश्मीर का जो बहु संख्य क तब का है उसके मध्य -बड़ेपैमाने पर य हआम धारणा बनाई गई है कि 2019 के पश्चात विभाजन कारी एवं विवादित अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावी होने के पश्चात उनका रक्षा कवच खो गया है और कश्मीरी पंडितों को मिल रही तमाम तरह की सहूलियत और प्राथमिकता के चलते आने वाले वक्त में उनकी सामाजिक, आर्थिक ,और राजनीतिक हैसियत के लिए नकारात्मक साबित होंगी अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावी होने के बाद जम्मू-कश्मीर में मूल निवासी प्रमाण पत्र जारी होने, भूमि स्वामित्व अधिकारों में संशोधन ,कश्मीरी पंडितों के लिए संपत्ति से संबंधित मुद्दों के लिए एक ऑनलाइन पोर्टल और विशेष रूप से परिसीमन को जनसंख्या गत बदलाव लाकर कश्मीरी

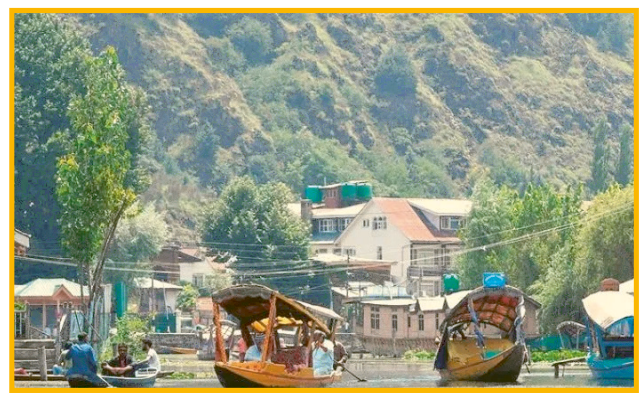

पहचान को समाप्त करने की लंबी योजना के रूप में देखा गया है ,हालांकि यह सब कदम सुधारात्मक है और असंतुलन को ध्वस्त करने के मकसद से उठाए गए हैं लेकिन अलगाववादी समूह के साथ-साथ कश्मीरी मुख्यधारा के राजनीतिक दलों ने भी इसे भारी तत्वों के कश्मीरी मामले में अनावश्यक दखल के रूप में प्रचारित किया है क्यों से आने वाले समय में उनकी सामाजिक आर्थिक राजनीतिक हैसियत के लिए नकारात्मक साबित होगी अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी होने के बाद मूल निवासी प्रमाण हालांकि यह सब बात कहने में थोड़ी अटपटे लगती हो लेकिन कश्मीरी पंडितों को भी अब पूरी जनता के साथ 1990 में पलायन के दौर में भी 800 से ज्यादा ऐसे कश्मीरी पंडित परिवार थे जिन्होंने जम्मू-कश्मीर से पलायन नहीं किया था ,उन परिवारों ने पिछले 3 दशकों में काफी परेशानी झेली लेकिन वह यह भी जानते थे कि अपनी धरा को छोड़ना कोई विकल्प नहीं है क्योंकि उनके सभी शुभचिंतक उनके साथ वहीं पर हैं ,सबके एक दूसरे के साथ बहुत अच्छे ताल्लुकात हैं और यदि वे पलायन करते हैं तो वे सब हमेशा के लिए छूट जाएंगे ,बेशक खौफ का माहौल है लेकिन यह सब के लिए है यहां तक कि मुस्लिम परिवारों के लिए भी बल्कि उनके लिए तो और ज्यादा है क्योंकि कई बार तो उन्हें आतंकवादी और सुरक्षा बल दोनों के क्रोध का सामना करना पड़ता है, बेशक इस हकीकत से इनकार नहीं किया जा सकता कि कश्मीर में सुरक्षा की स्थिति बीते कुछ समय से खराब हो गई है।

वरिष्ठ पत्रकार

फिर राजनीतिक अस्थिरता के भंवर में पाक

कसौटी पर लोकतंत्र/ जी. पार्थसारथी

पाकिस्तान में लोगों ने उस वक्त राहत महसूस की थी जब अविश्वास प्रस्ताव से इमरान खान की सरकार गिर जाने के बाद शाहबाज़ शरीफ ने सत्ता संभाली थी। इमरान खान ने गलतियां भी खूब की थीं। उन्होंने जनरल बाजवा के नेतृत्व वाले फौजी प्रतिष्ठान की नाराज़गी मोल ली, रूस जाकर पुतिन के साथ पींगें डालने की एवज़ में अमेरिका भी पीछे पड़ गया। हालांकि अमेरिका का संबंध पाकिस्तानी सेना और आईएसआई से सदा बहुत अच्छा रहा है। इसी बीच शाहबाज़ शरीफ सरकार को गंभीर घरेलू समस्या का सामना करना पड़ गया। शाहबाज शरीफ पर भ्रष्टाचार के एक पुराने मामले में केस दर्ज हो गया है। वैसे भी मुस्लिम लीग के सर्वेसर्वा पूर्व प्रधानमंत्री नवाज़ शरीफ हैं, जो इन दिनों लंदन में निर्वासित जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इसी बीच शाहबाज़ शरीफ के बेटे जो पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री हैं, पर भी भ्रष्टाचार का दोष लगा है। इसलिए पाकिस्तानी सेना और न्यायपालिका के बीच गुप्त तालमेल होने की पूरी संभावना है। कहा जाता है, न्यायाधीशों के जरिए सेना राजनेताओं और पार्टियों पर दबाव बना रही है। इन अनिश्चितताओं में और इफाजा 29 नवंबर को जनरल बाजवा की आगामी सेवानिवृत्ति से हो सकता है। यह सब हालात पाकिस्तान को अनिश्चितता की मझधार में डाल रहे हैं, बेशक ऊपरी तौर पर लगे कि बाजवा के उत्तराधिकारी की नियुक्ति नियत समय पर हो जाएगी। अगले सेना प्रमुख के लिए इमरान खान की पसंद पूर्व आईएसआई प्रमुख ले. फैज अहमद थे, लेकिन सेनाध्यक्ष बनने का उनका मौका बहुत कम है। जहां इमरान खान को आम चुनाव करवाने की बहुत जल्दी लगी हुई है वहीं सेना के शीर्ष जनरल फिलहाल शीघ्रता के पक्ष में नहीं हैं। हालांकि निकट भविष्य में यदि चुनाव हुए तो इमरान खान की फिर से प्रधानमंत्री बनने की पूरी संभावना है। किंतु फिर इमरान खान की अपनी समस्याएं हैं। वे अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन को फूटी आंख नहीं भाते। इसके अलावा, यूएई और सउदी अरब जैसे महत्वपूर्ण खाड़ी देशों की नाराजगी भी आड़े आती है। पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता के बीच सेना चाहेगी कि मुल्क की दशा-दिशा तय करने में उसकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रहे। हालांकि भावी आम चुनाव, जो अक्तूबर, 2023 में होने हैं, के बारे में यह कयास लगाना जल्दबाजी होगी कि तब तक सेना और इमरान खान पुनः नजदीक आ जाएंगे। पाकिस्तान के अंदरूनी हालात में दिलचस्पी लेने से अलग रहकर भारत ने समझदारी की है। अफगान सीमा से सटे खैबर पख्तूनवा इलाके में, पाकिस्तान को अपनी नीतियों के परिणाम में पश्तूनों की प्रतिक्रिया झेलनी पड़ रही है, वहां तहरीक-ए-तालिबान ऑफ पाकिस्तान नामक चरमपंथी गुट पाकिस्तान की संप्रभुता को चुनौती दे रहा है। इसके अलावा सत्तासीन तालिबान सरकार को यह एतराज भी है कि भारत-अफगान संबंध बनाने में पाकिस्तानी नीतियों का क्या काम। बलूचिस्तान में भी पाकिस्तानी संप्रभुता को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि अपने प्राकृतिक स्रोतों का निरंतर दोहन किए जाने से स्थानीय बलूचों में असंतोष है। ग्वादर बंदरगाह के प्रबंधन पर काबिज चीनियों के घमंडी और तिक्त रवैये की वजह से यह नाराजगी और गहरी हो रही है। पाकिस्तान को ड्यूरंड सीमारेखा के पार वाले अफगान पश्तून इलाके से भी चुनौतियां पेश हैं। फिलवक्त पाकिस्तान का मुख्य ध्यान विदेशी आर्थिक मदद पाने पर केंद्रित है ताकि मुल्क को दिवालिया होने से बचाया जा सके। एक हालिया संगोष्ठी 'क्या पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था अबाध नीचे गिर रही है', आयोजित हुई। इसमें पूर्व वित्त मंत्री डॉ. हफीज़ पाशा ने शीषर्क से सहमति जताते हुए कहा कि जहां पाकिस्तान का विदेशी मुद्रा कोष घटकर 10 बिलियन डॉलर के आसपास बना हुआ है और वार्षिक विकास दर गिरती जा रही है वहीं भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 600 बिलियन डॉलर और विकास दर 6-8 फीसदी है, इसी तरह बांग्लादेश के पास 45 बिलियन डॉलर की विदेशी मुद्रा और 6 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पादकता दर है। पिछले पांच साल में केवल चीनी कंपनियों ने पाकिस्तान में निवेश किया है। चीन हालांकि पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय कार्रवाई बल की निरंतर पड़ताल से बचाने की जुगत में है। 26/11 के मुंबई आतंकी हमले में भूमिका के लिए केवल लश्कर-ए-तैयबा के 70 वर्षीय सरगना हफीज़ मोहम्मद सईद की गिरफ्तारी और 20 साल की सज़ा देना शायद ही असरदायक हो। यह 'कैद' निःसंदेह विश्व जनमत को भरमाने के लिए है। पाकिस्तान के 'सदाबहार' दोस्त चीन ने हफीज़ सईद के उप-सरगना रहमान मक्की को अंतर्राष्ट्रीय आतंकी घोषित किए जाने वाले प्रयासों में अड़ंगा लगा रखा है। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ज़रदारी ने भारत के साथ संबंध सुधारने की वकालत करते हुए कहा है कि पाकिस्तान सीमा पारीय आतंकवाद को मदद जारी रखने के नतीजे में दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है। आतंकवाद को बढ़ावा देने की बड़ी कीमत चुकाने का दंश अब पाकिस्तान को महसूस हो रहा है। इसलिए यहां महत्वपूर्ण है कि पाकिस्तान के साथ आवागमन, व्यापार और संवाद के चैनल खुले रखे जाएं। यह करना फायदेमंद होगा, ठीक इसी समय उच्च स्तर पर राजनयिक राब्ता बनाने और संभावित परस्पर सहयोग हेतु दोनों ओर के उच्चायुक्तों की नियुक्तियां बहाल की जा सकती हैं। हालांकि भारत सीमा-पारीय आतंकवाद पर कड़ा प्रतिकर्म करने का विकल्प सदा खुला रखे। इस बीच, एक नया 'क्वाड' बनने का आसार है, जिसमें यूएई, इस्राइल, अमेरिका और भारत होंगे। इससे पाकिस्तान के पश्चिमी पड़ोस में तेल-संपन्न इलाके में नया सामरिक समीकरण बनने जा रहा है।

सू-दोकू नवताल - 2149

	7	4	1		2		3	
1			9				7	
9		2			5			6
	9		3			6		
3			2	8	7			5
		7			6		2	
6			4			9		3
	5				9			8
	1		8		3	2	6	

सू-दोकू -2148 का हल

3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2149

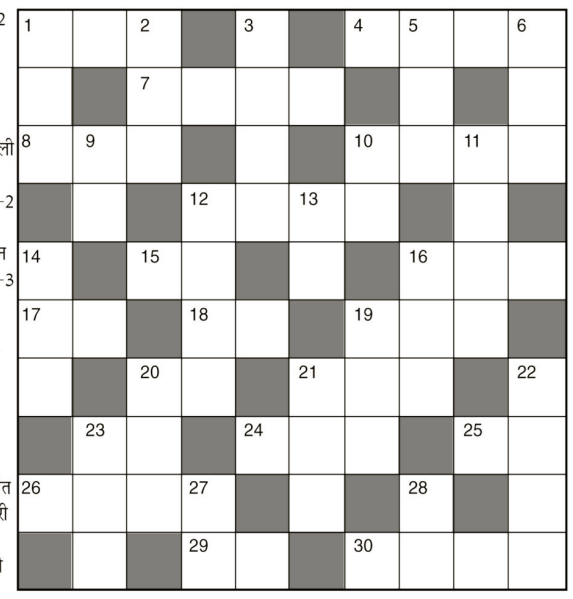

बायें से दायें:-

1. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना, शमिता की फिल्म-3
4. 'भंवरे ने खिलाया फूल' गीत वाली ऋषिकपूर, पद्मिनी की फिल्म-4
7. फिरोजखान, संजय, मनीषा की 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-4
8. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय, अमृता राव की फिल्म-3
10. राजेंद्रकुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-2,2
12. 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली जैकी, मिथुन, जूही, दिव्या की फिल्म-4
15. नाना, शाहरूख, संजय कपूर, करिश्मा की 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-2
16. 'एहसान तेरा होगा मुझ पर' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा बानो की फिल्म-3
17. 'बागबान' में अमिताभ की पत्नी ?-2
18. 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
19. ऋषिकपूर, कमल हासन, डिम्पल की 'मारिया ओ मारिया' गीत वाली फिल्म-3
20. 'आते जाते हुए' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर, राखी, परवीन की फिल्म-2
21. राजकुमार, धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की 'तोरा मन दर्पण' गीत वाली फिल्म-3
23. 'आज हमने दिल' गीत वाली नसीर, अतुलअग्निहोत्री, पूजाभट्ट की फिल्म-2
24. राहुलराय, पूजा भट्ट की 'जो प्यार कर गये' गीत वाली फिल्म-3
25. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-2
26. संजीवकुमार, शर्मिला की 1974 की कृष्णन पंजु निर्देशित एक फिल्म-4
29. 'पति पत्नी और वो' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-2
30. 'क्या चीज है मुहब्बत' गीत वाली सुनील शेट्टी, दिव्या की फिल्म-4

ऊपर से नीचे:-

12. अजय देवगन, करिश्मा कपूर की फिल्म-4
13. जीतेंद्र, कमल सदाना, आयशा, दिव्या की 'तेरी मुहब्बत नें दिल में' गीत वाली फिल्म-2
14. 'जिस दिल में बसा था प्यार तेरा' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पना की फिल्म-3
16. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
19. संजयदत्त, सलमान, माधुरी की फिल्म-3
20. राजकपूर मीनाकुमारी की 'ऐ चांद जहां वो जाये' गीत वाली फिल्म-3
21. 'जैक एण्ड जिल' गीत वाली अजय, उर्मिला की फिल्म-3
22. 'मैंने प्यार किया' में नायक कौन था-4
23. 'आँखों में नींदें ना दिल में' गीत वाली संजयदत्त, मनीषा की फिल्म-3
27. फिल्म 'नीलकमल' के संगीतकार कौन थे-2
28. 'दिलवालों के दिल का करार लूटने' गीत वाली फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2148

बा	रू	द		र		का	ला	पा	नी
बु		रा	व	ण	रा	ज		प	
ल	की	र		भू		ल	क्ष्य		ह
	म		दा	मि	नी			खे	ल
जी	त		मा		य	ती	म		च
वा		कु	द	र	त		हा	सि	ल
	मि	ली		ज		जी	न	त	
जीं	स		सु	नी	ल			म	न
	मे	ला		गं			जा		सी
नू	री		अं	धा	का	नू	न		ब

1. 'जब ना माना दिल' गीत वाली फिल्म-3
2. कुलभूषण, जावेद, शबाना, नंदिता दास की एक फिल्म-3
3. 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की फिल्म-4
5. अमिताभ, वहीदा, जीनत की एक फिल्म-3
6. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-3
9. अर्जुन रामपाल, जायेदखान, अमीषा की 'उड़ उड़ उड़ उड़ जाये' गीत वाली फिल्म-2
10. 'वो कागज की कश्ती' गीत वाली कुमार गौरव, अनामिका पाल की फिल्म-2
11. 'छुपाना भी नहीं आता' गीत वाली फिल्म-4

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को भी बढ़त के साथ बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार तेजी के साथ बंद हुआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिग, वित्त और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में भारी खरीददारी से घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 462.26 अंक करीब 0.88 फीसदी ऊपर आकर 52,727.98 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 644.15 अंक तक उछला था।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 142.60 अंक तकरीबन 0.92 फीसदी बढ़कर 15,699.25 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे। वहीं, दूसरी ओर टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टीसीएस, विप्रो के शेयर गिरे हैं।

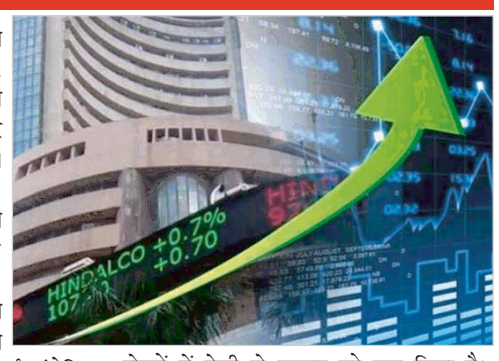

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक, चीन का शंघाई कंपोजिट और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी बढ़त पर है। यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी रही। अमेरिकी शेयर बाजार भी गत दिवस ऊपर आये थे। जानकारों के अनुसार आईटी के अलावा अन्य शेयरों में तेजी से बाजार को बल मिला है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.11 फीसदी बढ़कर 11.27 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर पंहुच गया। वहीं विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी है।

सोने , चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतें गिरी हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोना 70 रुपये नीचे आकर 50,557 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। वहीं पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,627 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 621 रुपये नीचे आकर 59,077 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गयी हैं। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी का भाव 59,698 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। वहीं दिल्ली सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमतों में 70 रुपये की गिरावट दर्ज की गयी है।'' अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना बढ़त के साथ 1,828 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। दूसरी ओर कॉमेक्स में सोने की हाजिर कीमत में 0.33 फीसदी का उछाल आया जबकि चांदी 20.97 डॉलर प्रति औंस पर बनी है।

जेट एयरवेज ने परिचालन नियुक्तियां शुरू कीं

नई दिल्ली । विमानन कंपनी जेट एयरवेज ने शुक्रवार को परिचालन नियुक्तियां शुरू कीं और अपने केबिन क्रू के पूर्व सदस्यों को एयरलाइन में लौटने को कहा। विमानन क्षेत्र के नियामक नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 20 मई को एयरलाइन को वाणिज्यिक हवाई परिचालन बहाल करने की इजाजत दी थी। एयरलाइन के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव कपूर ने ट्वीट किया` कि हमारी परिचालन नियुक्तियां शुरू हो गई हैं जिसमें हमने जेट के पूर्व कर्मियों को वापस बुलाया है। आने वाले दिनों में पायलट और इंजीनियरों की नियुक्तियां शुरू करेंगे। एयरलाइन का वाणिज्यिक हवाई परिचालन जुलाई-सितंबर तिमाही में शुरू हो सकता है। फिलहाल एयरलाइन ने केवल महिला क्रू सदस्यों को ही वापस बुलाया है।

बैंक यूनियनों की 27 जून को होने वाली हड़ताल टली

मुंबई । बैंक यूनियनों ने 27 जून सोमवार को अपनी मांगों को लेकर 27 जून को कामकाज ठप करने की योजना बनाई थी लेकिन इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) इन मांगों पर विचार करने के लिए तैयार है जिसके बाद हड़ताल को टाल दिया गया है। यूनियनों का कहना है कि वे अपनी मांगों पर बातचीत के लिए बैठेंगे और वार्ता के जरिए मामला सुलझाने पर ध्यान दिया जाएगा। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीए) में 9 बैंकों के अलग-अलग यूनियन शामिल हैं जो हड़ताल करने वाले थे। हफ्ते में 5 दिन काम और पेंशन जैसी मांगों को लेकर हड़ताल बुलाई गई थी। बैंकों के कर्मचारी नेशनल पेंशन स्कीम को हटाकर ओल्ड पेंशन स्कीम बहाल करना चाहते हैं। बातचीत के लिए आईबीए और बैंकिंग संगठनों के बीच एक समझौता हुआ है। समझौते के मुताबिक 1 जुलाई को बैंक संगठनों की अलग-अलग मांगों पर वार्ता होगी। इसकी जानकारी एआईबीईए के जनरल सेक्रेटरी सीएच वेंकटचलम ने दी और कहा कि मांगों को लेकर चीफ लेबर कमिश्नर की अध्यक्षता में वार्ता शुरू की जाएगी। बैंक संगठनों और यूनियनों ने सभी पेंशनर्स के पेंशन में बदलाव करने की मांग की है। बैंकों का संगठन नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) में शामिल नहीं होना चाहता और ये ओल्ड पेंशन स्कीम में फिर से बहाल होना चाहते हैं। संगठनों की मांग है कि सभी बैंकिंग कर्मचारियों को पुराने पेंशन सिस्टम से पेंशन दी जाए और एनपीएस को खत्म कर दिया जाए। बैंकों में काम करने वाले कर्मचारी हफ्ते में 5 दिन काम और दो दिन की छुट्टी चाहते हैं। इस बात को लेकर भी पहले से विरोध चल रहा है।

हीरो मोटोकॉर्प 1 जुलाई से बढ़ाएगी बाइक की कीमत

मुंबई । देश की प्रमुख टू-व्हीलर बनाने वाली दिग्गज कंपनी हीरो मोटोकॉर्प 1 जुलाई से मोटरसाइकिलों और स्कूटरों की कीमत में 3000 रुपए तक की बढ़ोतरी करने जा रही है। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल और दूसरी कमोडिटीज की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से कंपनी की उत्पादन लागत में भारी बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ी उत्पादन लागत की भरपाई के लिए कंपनी को उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी करने का फैसला लिया गया है। एक रेग्यूलेटरी फाइलिंग में कंपनी ने कहा है कि कीमतों में की जाने वाली बढ़ोतरी अलग-अलग मॉडल और बाजार को लिए अलग-अलग हो सकती है। हाल के दिनों में कमोडिटी और कच्चे माल की कीमतों में भारी बढ़त हुई है जिसकों देखते हुई कीमतें बढ़ाना बहुत जरूरी हो गया था। हीरो मोटोकॉर्प कई तरह के मॉडल बेचती है, जिसमें एंट्री-लेवल एचएफ100 से लेकर एक्सपल्स 200 4वी जैसी बाइक्स शामिल हैं। इससे पहले कंपनी ने इस साल अप्रैल में भी वाहनों की कीमत में बढ़ोतरी कर दी थी, तब हर रेंज की बाइक्स और स्कूटर की कीमतों में 2000 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई थी। कीमतों में इजाफा होने के बाद कंपनी की बिक्री पर कितना असर पड़ेगा, इसकी जानकारी जुलाई महीने में कंपनी की सेल्स रिपोर्ट में पता चल जाएगा। इस समय कंपनी के पास एंट्री लेवल बाइक्स से लेकर प्रीमियम पावरफुल इंजन वाली बाइक्स भी मौजूद हैं।

बिना ब्रांड के खाद्यान्नों को जीएसटी मुक्त रखने की मांग

- पहले से ही महंगाई की मार झेल रहे देश के 130 करोड़ लोगों पर पड़ेगा भार

नई दिल्ली । कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने जीएसटी पर गठित मंत्रियों के समूह द्वारा दी गई सिफारिशों को जीएसटी काउन्सिल की 28-29 जून को चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में लागू न करने की मांग की है। साथ ही कहा है कि इन्हें लागू करने से पहले पहले व्यापारियों से सलाह की जाना चाहिए। कैट ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन से कहा है बिना ब्रांड वाले खाद्यान्न को कर से मुक्त रखा जाए और इसको 5 फीसदी के कर दायरे में न लाया जाए जिसकी सिफ़ारिश समिति ने की है। टेक्सटाइल और फुटवियर को 5 प्रतिशत के कर स्लैब में ही रखा जाए। रोटी, कपड़ा और मकान आम जरूरतों की वस्तुएं हैं और अगर इन पर टैक्स लगाया गया तो इसका सीधा भार देश के 130 करोड़ लोगों पर पड़ेगा जो पहले ही महंगाई की मार झेल रहे हैं. आम आदमी की आमदनी कम हो रही है जबकि खर्च दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है.

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि जब हर महीने जीएसटी राजस्व के आंकड़े में वृद्धि हो रही है ऐसे में किसी भी वस्तु कर अधिक जीएसटी लगाने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में यह जरूरी है कि जीएसटी कर कानूनों और नियमों की नए सिरे से दोबारा समीक्षा हो और जहां कानून और नियमों में बदलाव हो वहीं कर दरों में विसंगतियों को समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि मंत्रियों के समूह ने अनेक वस्तुओं को जीएसटी में प्राप्त छूटों को समाप्त करने तथा अनेक वस्तुओं की कर की दरों में वृद्धि करने की सिफ़ारिश एकतरफ़ा हैं क्योंकि उन्होंने केवल राज्य सरकारों का पक्ष ही जाना है और व्यापारियों से इस मामले पर कोई चर्चा तक नहीं की गई है। कोई भी एकतरफा फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस और पार्टिसिपेटरी गवर्नेंस के विरुद्ध होगा।

बड़ी मात्रा में अनेक वस्तुएं ऐसी हैं जो उचित कर दर के स्लैब में नहीं हैं। कुछ जे यादा कर दरों में हैं तो कुछ वस्तुओं पर विभिन्न राज्यों में कर दर अलग अलग है। जो जीएसटी के एक देश, एक कर के मूल सिद्धांत के विपरीत हैं। इस दृष्टि से यदि व्यापारियों से बात चीत कर कर दर तय की जाएंगी तो जहां कर का दायरा विकसित होगा वहीं केंद्र और राज्य सरकारों के राजस्व में और अधिक वृद्धि होगी जिसको करने के लिए देश भर के व्यापारी संगठन केंद्र और राज्य सरकारों में साथ हाथ मिलाकर काम करने को तैयार हैं।

सीबीआई ने रेवा स्केन्स के दिल्ली में पांच स्थानों पर तलाशी ली

नई दिल्ली । केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की एक पैकेजिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में शुक्रवार को दिल्ली में पांच स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस कंपनी के खिलाफ बैंकों के संघ से कथित तौर पर 69.33 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि सीबीआई ने इंडियन ओवरसीज बैंक की शिकायत पर यह कार्रवाई की है। इसमें बैंक ने आरोप लगाया कि कंपनी के वित्त में गंभीर अनियमितताएं हैं मसलन धन की हेराफेरी, बहीखातों में गड़बड़ी और जालसाजी तथा ऐसा करके कंपनी ने 2011 से 2016 के बीच बैंकों को करोड़ों रुपये का चूना लगाया है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने कंपनी के पूर्व निदेशकों से जुड़े दिल्ली स्थित परिसरों पर छापेमारी की।

सैमसंग ने 200 मेगापिक्सल का नया सेंसर लांच किया

नई दिल्ली । स्मार्टफोन के कैमरों में हर साल मेगापिक्सल बढ़ते जा रहे हैं। 108 मेगापिक्सल तक के कैमरा लेंस के बाद सैमसंग ने 200 मेगापिक्सल का नया सेंसर लांच किया है। ब्रांड ने कई अपेडट्स के साथ 200 मेगापिक्सल का ईसोसेल एचपी 3 सेंसर लांच किया है। इस हिसाब से दिन-ब-दिन स्मार्टफोन कैमरा टेक्नोलॉजी में बदलाव हो रहा है। वहां दिन दूर नहीं जब आपके हाथ में फोन नहीं डीएसएलआर वाला फोन है। वैसे इस तरह के वादे अभी ही कई ब्रांड्स अपने फोन कैमरा में करते हैं। मगर डीएसएलआर जैसी क्लीन और क्लीयर क्वालिटी के लिए आपको कुछ सालों का इंतजार करना होगा। सैमसंग का नया सेंसर ईसोसेल एचपी 3 कई मायनों में ईसोसेल एचपी 1 से बेहतर है। जहां ईसोसेल एचपी 1 में आपको 0.64यूएम का पिक्सल मिलता था, वहीं एचपी 3 में इसका साइज और भी छोटा हो गया है। इसमें आपको 0.56यूएम का पिक्सल मिलेगा। आसान भाषा में कहें तब लेटेस्ट कैमरा सेंसर में आपको पिछले के मुकाबले हाई रेज्योलूशन की फोटो मिलेगी। साथ ही कंपनी एक नई टेक्नोलॉजी लेकर आ रही है, जिसे ईपीक रेज्योलूशन प्रो नाम दिया गया है। इसमें आप स्मार्टफोन से प्रोफेशनल लेवल की हाई रेज्योलूशन फोटो क्लिक कर सकते हैं। नए ईसोसेल एचपी 3 में पुराने के मुकाबले 12 प्रतिशत छोटा पिक्सल साइज मिलता है। साथ ही नए सेंसर का मॉड्यूल सरफेस एरिया भी कम होगा। बता दें कि सैमसंग के नए कैमरा सेंसर में 30 फ्रेम्स पर सेकेंड पर 8के रेज्योलूशन और 120 एफपीएस पर 4के रेज्यूलोशन की रिकॉर्डिंग होती है। इसके अलावा सैमसंग सेंसर में ट्रेट टूपिक्स टेक्नोलॉजी मिलती है। दरअसल, टेक्नोलॉजी की बदौलत स्मार्टफोन का कैमरा चार पिक्सल को एक में जोड़ता है, जिससे लो लाइट में में बेहतर फोटो मिलती है। नया कैमरा सेंसर 16 पिक्सल को एक में जोड़ता है। यानी नाइट फोटोग्राफी में यह सेंसर आपको ज्यादा बेहतर लाइट और परफॉर्मेंस ऑफर करेगा। हालांकि, इसकी जानकारी नहीं है किस फोन में सैमसंग का यह सेंसर मिलेगा।

रुपया 78.33 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया गिरा है। डॉलर के मुकाबले रुपया एक पैसे की हल्की गिरावट के साथ ही 78.33 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचा। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 78.20 पर खुला और कारोबार के अंत में एक पैसे की गिरावट के साथ ही 78.33 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निम्न स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 78.19 के उच्च स्तर और 78.35 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 78.32 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.25 फीसदी की गिरावट के साथ ही 104.17 पहुंच गया जबकि वैश्विक तेल सूचकांक ब्रेंट क्रूड वायदा 1.13 फीसदी बढ़कर 111.29 डॉलर प्रति बैरल हो गया।

सरकार कीमती गहनों के लिए ई-वे बिल कर सकती है अनिवार्य

वित्त मंत्री की अगुआई में 28-29 जून को जीएसटी काउंसिल की बैठक में हो सकता है विचार

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुआई में 28-29 जून को जीएसटी काउंसिल की बैठक होने वाली है। इस बैठक में 2 लाख रुपए या उससे अधिक कीमत के सोने व अन्य रत्नों की एक राज्य के अंदर आवाजाही के लिए ई-वे बिल को अनिवार्य किए जाने पर विचार हो सकता है । इसके अलावा बी2बी लेनदेन के लिए अनिवार्य ई-इनवॉइसिंग के दायरे को भी बढ़ाया जा सकता है । जीएसटी काउंसिल इस बैठक में ई-वे बिल पर राज्यों के वित्त मंत्रियों के पैनल की रिपोर्ट पर विचार कर सकती है। पैनल ने ई-इनवॉइसिंग को अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। वित्त मंत्रियों के पैनल ने सुझाव दिया है कि सोने व कीमती रत्नों का व्यापार करने वाले सभी टैक्सपेयर और सालाना 20 करोड़ रुपये से ज्यादा का टर्नओवर करने वाले सभी व्यापारियों के बी2बी ट्रांजेक्शन के लिए ई-इनवॉइसिंग को अनिवार्य किया जाना चाहिए। सुझाव में कहा गया है कि जीएसटी नेटवर्क ई-इनवॉइसिंग के कार्यान्वयन को लेकर तौर-तरीकों और समयसीमा तय करेगा। वर्तमान में 50 करोड़ से ज्यादा के टर्नओवर वाले कारोबारियों के बी2बी ट्रांजेक्शन पर ई-इनवॉइस अनिवार्य है। मंत्रियों के पैनल ने यह भी सुझाव दिया है कि राज्यों के भीतर सोने व रत्नों की आवाजाही के लिए ई-वे बिल की अनिवार्यता को तय करने का अधिकार राज्य सरकारों को ही मिलना चाहिए। उन्होंने कहा है कि ई-वे बिल के लिए न्यूनतम 2 लाख रुपए के रत्न व सोने की आवाजाही होनी चाहिए। राज्य इससे अधिक या इतनी ही न्यूनतम रकम ई-वे बिल की अनिवार्यता के लिए तय कर सकते हैं। पैनल ने कहा है कि गैर-पंजीकृत लोगों से रजिस्टर्ड डीलर्स और ज्वेलर्स द्वारा खरीदे गए पुराने सोने पर रिवर्स चार्ज मैकेनिज्म के तहत जीएसटी लगाने संबंधी जांच के लिए केंद्र और राज्यों को एक समिति गठित करनी चाहिए। बैठक में कई बदलावों पर चर्चा की संभावना है। जीएसटी काउंसिल ई-कॉमर्स सप्लायर्स के लिए नियमों को आसान कर सकती है। इसके अलावा काउंसिल कमियों को दूर करने के लिए केंद्र व राज्य सरकारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने का अधिकार भी दे सकती है। खबरों के अनुसार, सरकार बैठक में राष्ट्रीय मुनाफाखोरी रोधी प्राधिकरण (एनएए) और अब तक लंबित मामलों पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

क्रिप्टोकरेंसी निवेशकों को 1 जुलाई से देना होगा एक फीसदी टीडीएस

- जो निवेशक क्रिप्टोकरेंसी को मुनाफे में नहीं भी बेचते हैं उन्हें भी टैक्स चुकाना होगा

नई दिल्ली ।

क्रिप्टोकरेंसी के निवेशकों को 1 जुलाई, 2022 से इसके हर लेनदेन पर एक फीसदी टीडीएस देना होगा चाहे वो मुनाफे में बेचा गया हो या नुकसान में। इसके बाद से क्रिप्टोकरेंसी में निवेश को लेकर उत्साह घटा है। टीडीएस लगने के बाद ये और घट सकता है। सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी को मान्यता नहीं दी है लेकिन इस वर्ष 2022-23 से क्रिप्टोकरेंसी को होने वाली इनकम पर 30 फीसदी टैपिटल गेन टैक्स लगाने का फैसला किया है। अब एक जुलाई से क्रिप्टो के लेनदेन पर 1 फीसदी टीडीएस का भी भुगतान करना होगा। जो निवेशक क्रिप्टोकरेंसी को मुनाफे में नहीं भी बेचते हैं उन्हें भी टैक्स चुकाना होगा। ऐसे क्रिप्टो में निवेश करने वाले निवेशकों को एक फीसदी टीडीएस का भुगतान करना होगा जिससे सरकार क्रिप्टोकरेंसी में लेन-देन करने वालों के ठौर ठिकानों का पता लगा सके। क्रिप्टो को लाभ में बेचने पर 30 प्रतिशत का टैक्स देना होगा। लाभ में नहीं बेचने पर भी एक प्रतिशत का टीडीएस देना होगा जिससे ये पता चलेगा कि कहां-कहां क्रिप्टो का लेनदेन हुआ है। क्रिप्टोकरेंसी पर एक फीसदी टीडीएस लगाए जाने का प्रावधान एक जुलाई 2022 से लागू होने जा रहा है। सरकार ने कहा है कि इनकम टैक्स 1961 की प्रस्तावित धारा 115बीबीएच के प्रावधानों के अनुसार, वीडीए (वर्चुअल डिजिटल एसेट्स) के हस्तांतरण से होने वाले नुकसान को दूसरे वीडीए के हस्तांतरण से उत्पन्न आय के खिलाफ सेट-ऑफ करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उक्त धारा इनकम टैक्स एक्ट में एक नया प्रस्तावित खंड है जो क्रिप्टोकरेंसी जैसे वर्चुअल डिजिटल एसेट्स से होने वाले लाभ को परिभाषित करता है। सीबीडीटी ने कहा है कि अगर खरीदार ने आयकर अधिनियम की धारा 194एस के तहत टैक्स कटौती की है तो विक्रेता को उसी लेनदेन पर इसे काटने की जरूरत नहीं होगी। 194एस के तहत कटौती की गई किसी भी राशि का भुगतान केंद्र सरकार को उस महीने के ओ खिर तक 30 दिनों के भीतर करना होगा जिसमें कटौती की गई थी।

टीसीएस साल के आखिरी तक ला सकती है चिप-आधारित पासपोर्ट

चिप आधारित पासपोर्ट के लिए टीसीएस सभी जरूरी तैयारी कर चुकी है

नई दिल्ली ।

टाटा कंसल्टेंसी से विसेस (टीसीएस) इस साल के ओ खिरी तक चिप बेस्टड ई-पासपोर्स लाने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक टीसीएस इसके लिए सभी जरूरी तैयारी कर चुकी है। देश की ये दिग्गज आईटी कंपनी भारतीय विदेश मंत्रालय के साथ मिलकर एक नया कमांड और कंट्रोल सेंटर बनाने की तैयारी कर रही है। विदेश मंत्रालय ने टीसीएस के साथ 10 साल की पीएसकी डील को साल की शुरूआत में रिन्यू किया था। इस डील की वैल्यू 6000 करोड़ रुपए है। इसे पासपोर्ट प्रोजेक्ट का सेकंड फेज माना जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, यह पासपोर्ट प्रोजेक्ट टीसीएस के लिए काफी अहम है क्योंकि इसे कंपनी के लिए अब तक का सबसे बड़ा ई-गवर्नेंस प्रोग्राम माना जा रहा है। सामान्य तौर पर नया ई-पासपोर्ट और रेगुलर पासपोर्ट एक जैसा ही लगेगा लेकिन इसमें काफी अन्तर है।

ड्राइविंग लाइसेंस जैसा लगने वाले इस नए पासपोर्ट में एक छोटा इलेक्ट्रॉनिक चिप लगा होता है। इसमें सभी जरूरी जानकारियां जैसे नाम, जन्मतिथि, पता फीड होती हैं। इसकी मदद से आपकी यात्रा की जानकारी कम समय में और आसानी से मिल सकती है। इसके अलावा ई-पासपोर्ट में एक रेडियो फीक्वेंसी आईडेंटिफिकेशन (आरएफआईडी) और एक एंटीना भी लगाया गया है। पासपोर्ट की सभी जानकारी डेटा पेज पर भी प्रिंटेड रहती है और चिप में भी स्टोर रहती है। इस नए ई-पासपोर्ट की वजह से फेक पासपोर्ट्स का सर्कुलेशन कम होने की संभावना है। पासपोर्ट के साथ छेड़छाड़ यानी डेटा टैंपरिंग जैसी चीजें मुश्किल हो जाएंगी। घुसपैठियों पर भी रोक लगाई जा सकेगी। इलेक्ट्रोनिक चिप की वजह से सरकार पासपोर्ट के आइडेंटिटी वेरिफिकेशन लेवल को भी बढ़ा सकेगी।

आईआईएफएल फाइनेंस बांड के जरिये 5,000 करोड़ जुटाएगी

नई दिल्ली ।

आईआईएफएल फाइनेंस लिमिटेड निजी नियोजन के आधार पर बांड जारी कर 5,000 करोड़ रुपये जुटाने पर विचार कर रही है। ।आईआईएफएल ने शेयर बाजार को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि बांड सार्वजनिक निर्गम के जरिये पेश किए जाएंगे। हालांकि, यह अभी नियामकीय और वैधानिक मंजूरी के अधीन है। कंपनी ने कहा कि आईआईएफएल के निदेशक मंडल ने 23 जून, 2022 को हुई अपनी बैठक में गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर के माध्यम से पूंजी जुटाने को मंजूरी दी। कंपनी एक या इससे अधिक चरणों में 5,000 करोड़ रुपए के बांड जारी करेगी। आईआईएफएल फाइनेंस दरअसल एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) है, जो आवास ऋण, स्वर्ण ऋण और कारोबार के लिए कर्ज देती है।

भारत को श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में शीर्ष क्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दाबुला (एजेंसी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम शनिवार को यहां श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाकर तीन मैचों की श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने की कोशिश करेगी। भारत ने गुरुवार को पहले टी20 में 34 रन से जीत दर्ज करके दौरे की सकारात्मक शुरुआत की। भारतीय टीम शनिवार को अब न सिर्फ श्रृंखला अपने नाम करना चाहेगी बल्कि अपने कमजोर पक्षों पर गौर करके बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों से पहले जीत की लय जारी रखने का प्रयास भी करेगी।

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन 28 जुलाई से आठ अगस्त के बीच होगा। इन खेलों में पहली बार महिला क्रिकेट को टी20 प्रारूप में शामिल किया गया है। भारत पहले मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 138 रन ही बना पाया था लेकिन बायें हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई में गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से वह जीत दर्ज करने में सफल रहा। लेकिन भारतीय बल्लेबाजी में काफी सुधार की जरूरत है। शैफाली वर्मा (31 रन), कप्तान हरमनप्रीत कौर (22) और ऋचा घोष (11) सभी को अपनी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलना होगा। हरमनप्रीत पिछले मैच में नाकाम रहने के कारण सबसे छोटे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने के मिताली राज के रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पायी थी जिसके लिये उन्हें 24 रन की जरूरत है। हाल में संन्यास लेने वाली मिताली ने 89 मैचों में 2364 रन बनाये हैं।

उपकप्तान स्मृति मंधाना और सभिनेनी मेघना पिछले मैच में नहीं चल पायी थी। भारत को अगर बड़ा स्कोर बनाना है तो इन दोनों को बड़ी पारी खेलनी होगी। भारत यदि सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पाया तो उसका श्रेय जेमिमा रोड्रिगेज (27 गेंदों पर नाबाद 36 रन) और दीप्ति शर्मा (आठ गेंदों में नाबाद 17 रन) को जाता है। भारत शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों से भी इसी तरह का प्रदर्शन चाहेगा। दूसरी ओर भारतीय गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया। राधा (22 रन देकर दो), दीप्ति (नौ रन देकर एक) और कामचलाऊ स्पिनर शैफाली (10 रन देकर एक) की स्पिन तिकड़ी ने शानदार खेल दिखाया। तीनों टी20 मैच एक ही स्थल पर होने से दोनों टीमों के स्पिनर अहम भूमिका निभाएंगे। श्रीलंका को भी अपने बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। पहले मैच में मध्यक्रम की बल्लेबाज कविशा दिलहारी (नाबाद 47) क्रीज पर डटी रही लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला। कप्तान चमारी अटापट्टू, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता मडावी और निलाक्षी डी सिल्वा को बल्लेबाजी में अधिक जिम्मेदारी लेनी होगी। गेंदबाजी में इनोका रणवीरा (30 रन देकर तीन) और ओशादी रणसिंघे (22 रन देकर दो) की स्पिन जोड़ी ने भारतीय बल्लेबाजों को बांधे रखा। उन्हें अन्य गेंदबाजों से भी सहयोग की जरूरत पड़ेगी।

मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप: क्वार्टर फाइनल में बॉतिस्ता आगुट से हारे मेदवेदेव

पाल्मा (एजेंसी)।

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी दानिल मेदवेदेव मालोर्का टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में रॉबर्टो बॉतिस्ता आगुट से सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गए जिससे उनका इस सत्र में घसियाले कोर्ट पर खिताब जीतने का सपना टूट गया। विश्व में 20वीं रैंकिंग के बॉतिस्ता आगुट ने मेदवेदेव 6-3, 6-2 से हराया।

रूस के खिलाड़ियों पर प्रतिबंध के कारण मेदवेदेव विंबलडन में नहीं खेल पाएंगे। स्पेन के बॉतिस्ता आगुट की विश्व में नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ यह चौथी जीत है। उन्होंने पिछली तीन जीत नोवाक जोकोविच के खिलाफ दर्ज की थी। बॉतिस्ता आगुट सेमीफाइनल में 303वीं रैंकिंग के स्विस क्वालीफायर एंटोनी बेलियर से भिड़ेंगे, जिन्होंने नीदरलैंड के टालोन ग्रिक्सपुर को 5-7, 7-6 (5), 6-2 से हराया।

दूसरी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सिटसिपास ने एक अन्य मैच में अमेरिका के मार्कोस गिरोन को ढाई घंटे से अधिक समय में 7-6 (5), 4-6, 6-3 से पराजित किया। यूनान के इस खिलाड़ी का सामना अब फ्रांस के बेंजामिन बोन्जी से होगा, जिन्होंने जर्मनी के डेनियल अल्तमेयर को 6-3, 6-4 से हराया।

भारतीय टीम ने पहले दिन बनाये 246/8

अभ्यास मैच में रोहित को लगी बुमराह की गेंद

लीसेस्टर (एजेंसी)।

भारतीय टीम ने यहां काउंटी टीम लीसेस्टरशायर के खिलाफ चार दिवसीय अभ्यास मैच के पहले दिन अपनी पहली पारी में आठ विकेट पर 246 रन बनाये। अभ्यास मैच के पहले दिन बारिश के कारण 60.2 ओवर का ही खेल हो पाया। रोहित शर्मा ने 25 जबकि विराट कोहली ने 33 रनों की पारी बनाये। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत ने नाबाद 70 रन बनाये जबकि दूसरी छोर पर मोहम्मद शमी 18 रनों पर खेल रहे थे। वर्षा बाधित इस मैच के पहले दिन भारतीय बल्लेबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की। भारतीय टीम के चार खिलाड़ी जसप्रीत बुमराह, चेतेश्वर पुजारा, प्रसिद्ध कृष्णा और ऋषभ पंत इस मैच में लीसेस्टरशायर की ओर से उतरे। वहीं भारतीय पारी रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने शुरु की। लीसेस्टरशायर की ओर से गेंदबाजी करते हुए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की एक गेंद रोहित के पेट पर जा लगी। जिसके

बाद रोहित दर्द से परेशान दिखे और उनकी सहायता के लिए फिजियो को मैदान में आना पड़ा पर हैरानी की बात यह रही की बुबाद टीम के फिजियो को भी मैदान पर आना पड़ा। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत तत्काल रोहित के पास पहुंच गये। फिजियो के आने के बाद भी बुमराह अपनी टीम के खिलाड़ियों के साथ ही खड़े थे जबकि ऋषभ रोहित के पास दिखे।

रणजी ट्रॉफी : यश ओर शुभम के शानदार शतकों से मध्य प्रदेश ने बनाये तीन विकेट पर 368

बेंगलुरु (एजेंसी)।

यश दुबे और शुभम शर्मा के शानदार शतकों की सहायता से मध्य प्रदेश ने रणजी ट्रॉफी फाइनल में मुम्बई को करारा जवाब देते हुए अपनी पहली पारी में तीन विकेट पर 368 रन बनाये हैं। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय रजत पाटीदार 67 ओर कप्तान आदित्य श्रीवास्तव 11 रनों पर खेल रहे थे। इससे पहले मुम्बई ने अपनी पहली पारी में 374 रन बनाये थे। इस प्रकार मप्र की टीम पहली पारी के आधार पर केवल 6 रनों से ही पीछे है। मैच के तीसरे दिन मप्र के सलामी बल्लेबाज यश ने 133 जबकि शुभम ने 116 रन बनाये। यश अपना पहला रणजी ट्रॉफी फाइनल खेल रहे और उन्होंने शतक लगाकर अपनी टीम को अच्छे स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। पारी का शुरुआत करने आए यश दुबे ने लंच से पहले शतक पूरा किया। मध्य प्रदेश ने तीसरे दिन दिन लंच तक एक विकेट के नुकसान पर 228 रन बना लिए।

यश ने 234 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने 12 चौके लगाए। यह रणजी ट्रॉफी फाइनल में उनका पहला शतक है। वहीं शुभम ने भी शानदार बल्लेबाजी की। शुभम का भी रणजी ट्रॉफी फाइनल में यह पहला शतक है। इससे पहले शुभम ने क्वार्टर फाइनल मैच में 102 रन की शानदार पारी खेली थी। इससे पहले मुंबई की टीम ने अपनी पहली पारी में 374 रन बनाए थे।

विम्बलडन में 113वीं रैंकिंग की खिलाड़ी के खिलाफ शुरूआत करेंगी सेरेना विलियम्स

विम्बलडन (इंग्लैंड)। वापसी कर रही सेरेना विलियम्स विम्बलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम के शुरूआती मुकाबले में फ्रांस की 24 साल की हार्मनी टैन के सामने होंगी जिनकी रैंकिंग 113 है। रिकॉर्ड 23 ग्रैंडस्लैम एकल खिताब अपने नाम कर चुकी सेरेना एक साल पहले सेंटर कोर्ट पर पहले दौर के पहले सेट के दौरान पैर में चोट लगा बैठी थीं। इसके बाद से वह किसी भी टूर्नामेंट के एकल में पहली बार शिरकत करेंगी। सेरेना पिछले 12 महीने में किसी टूर्नामेंट में नहीं खेली जिससे वह इस हफ्ते डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 1,200 से बाहर हैं। उन्होंने इस हफ्ते ही टूर पर वापसी की और इंग्लैंड में तैयारियों के टूर्नामेंट में दो युगल मैच खेले। वह 7 बार विम्बलडन चैम्पियनशिप जीत चुकी हैं जबकि टैन ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में पदार्पण करेंगी। पहली बाधा पार करने के बाद सेरेना का सामना 32वीं वरीय सारा सोरिबेस टोर्मो से हो सकता है जबकि तीसरे दौर में उन्हें छठी वरीय कैरोलिना प्लिस्कोवा से चुनौती मिल सकती है जो पिछले साल उप विजेता रही थीं और 2016 अमरीकी ओपन के सेमीफाइनल में सेरेना को हराकर फाइनल में पहुंची थी।

पंड्या, सूर्यकुमार और उमरान आयरलैंड के लिए रवाना

नई दिल्ली। कप्तान हार्दिक पंड्या , बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव और युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक आयरलैंड दौरे पर रवाना हो गये हैं। बल्लेबाज सूर्यकुमार ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर दो तस्वीरें साझा की हैं। इसमें पहली तस्वीर में वह वह अकेले ही विमान के अंदर बैठे हुए नजर आ रहे हैं। इस दौरान सूर्यकुमार फिट नजर आ रहे हैं। सूर्यकुमार ने जो दूसरी तस्वीर साझा की है उसमें वह तेज गेंदबाज आवेश खान, उमरान मलिक और वेंकटेश अय्यर के साथ बैठे दिख रहे हैं। इन सभी खिलाड़ियों ने एकसाथ तस्वीर खिंचवाई है। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुई 5 मैचों की घरेलू टी20 सीरीज के बाद भारतीय खिलाड़ियों को तीन दिनों के लिए आराम दिया था। सभी खिलाड़ियों को 24 जून को आयरलैंड के लिए रवाना होना था पर युजवेंद्र चहल और ओपनर ऋतुराज गायकवाड़ सहित कुछ खिलाड़ी पहले ही आयरलैंड रवाना हो गये थे। आयरलैंड के इस दौरे पर विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन की भी लंबे समय बाद टीम में वापसी हुई है। भारत और आयरलैंड के बीच पहला टी20 मैच 26 जून को खेला जाएगा जबकि दूसरा और आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला 28 जून को खेला जाएगा। इस दौरे पर बल्लेबाज राहुल त्रिपाठी को पहली बार टीम इंडिया में अवसर मिला है। राहुल ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था।

हॉकी विश्व कप में पोडियम स्थान हासिल कर सकता है भारत: सविता

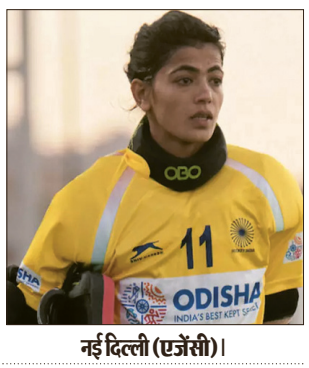

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय कप्तान सविता को लगता है कि राष्ट्रीय महिला हॉकी टीम में प्रेरणा और आत्मविश्वास की कोई कमी नहीं है जिसकी निगाहें आगामी विश्व कप में ऐतिहासिक पोडियम स्थान हासिल करने पर लगी हैं। एफआईएच के इस शीर्ष टूर्नामेंट की मेजबानी नीदरलैंड और स्पेन संयुक्त रूप से कर रहे हैं जो एक से 17 जुलाई तक खेला जाएगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम पिछले साल ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रही थी और सविता ने कहा कि टोक्यो ओलंपिक के बाद टीम के अंदर ऐसा भरोसा आ गया है कि वे बड़े मंच पर किसी भी सर्वश्रेष्ठ टीम की बराबरी कर सकते हैं। सविता ने कहा, 'टोक्यो में हमारे प्रदर्शन ने हमें भरोसा दिलाया कि हम वैश्विक प्रतियोगिता में पोडियम स्थान हासिल कर सकते हैं।'

उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के बाद हमने अपना ध्यान अपने प्रदर्शन को अगले स्तर तक ले जाने में लगाया। हमने अपनी ऊर्जा एफआईएच प्रो लीग में अच्छा करने पर लगायी और इस प्रतिष्ठित लीग में तीसरा स्थान हासिल किया जिससे विश्व कप से पहले मनोबल बढ़ेगा।' भारत का विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथा स्थान रहा है जो उसने 1974 के शुरूआती चरण में हासिल किया था। 2018 में भारत आठवें स्थान पर रहा था। तोक्यो में भारत के शानदार प्रदर्शन ने देश में महिला हॉकी का चेहरा ही बदल दिया।

एफआईएच प्रो लीग में अपने पदार्पण में ही भारतीय महिला टीम ने नीदरलैंड और अर्जेंटीना जैसी बड़ी टीमों को कड़ी चुनौती देकर तीसरा स्थान हासिल किया। सविता ने कहा, 'भारतीय महिला हॉकी टीम ने कभी भी विश्व कप में पदक नहीं जीता है और हमारा लक्ष्य इस बार इस सपने को साकार करने का है।' इस शीर्ष गोलकीपर ने कहा कि एक इकाई के तौर पर खेलना विश्व कप में सफलता हासिल के लिए अहम होगा।

उन्होंने कहा, 'हम विश्व कप में खेलने के लिये काफी उत्साहित हैं। हम बस एक इकाई के तौर पर खेलना चाहते हैं। हमारे लिये ओलंपिक एक शानदार अनुभव था। हमने वहां से काफी कुछ सीखा और हमारा मानना है कि हमें एकजुट होकर खेलना होगा और कड़ी चुनौती देनी होगी।' सविता ने कहा, 'ओलंपिक के बाद हमारी टीम की हर खिलाड़ी प्रेरणा से भरी हुई है और पूरी तरह से अपना ध्यान खेल पर लगाये हुए हैं। हम अच्छी टीमों के खिलाफ खेलना चाहते हैं।'

विश्व कप में भारतीय महिला हॉकी टीम को पूल बी में इंग्लैंड, चीन और न्यूजीलैंड के साथ रखा गया है। टीम अपना अभियान तीन जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ शुरू करेगी।

विश्व तीरंदाजी ने 2028 ओलंपिक में इनडोर कम्पाउंड स्पर्धाओं को शामिल करने का प्रस्ताव रखा

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

विश्व तीरंदाजी (डब्ल्यूए) ने शुक्रवार को घोषणा की कि उसने 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में इनडोर कम्पाउंड स्पर्धाओं को शामिल करने का प्रस्ताव रखा है।

भारत में इस खेल के हाई परफार्मेंस निदेशक ने उम्मीद जतायी कि अगर इसे स्वीकार कर लिया जाता है तो यह देश के लिए बड़ा बदलाव साबित हो सकता है।

फिलहाल ओलंपिक खेल में केवल रिकर्व स्पर्धाएं होती हैं।

अधिक अंक वाले कम्पाउंड स्पर्धा को इनडोर (अंदर) और आउटडोर (बाहर) दोनों जगह खेला जा सकता है। यह एशियाई खेलों, यूरोपीय खेलों, पैन अमेरिकन खेलों, 'वर्ल्ड गेम्स' और विश्व विश्वविद्यालय खेलों के खेल कार्यक्रमों का हिस्सा हैं, लेकिन इसे ओलंपिक में शामिल नहीं किया गया है।

डब्ल्यूए ने कहा, '' विश्व तीरंदाजी का प्रस्ताव पुरुषों, महिलाओं और मिश्रित टीमों के लिए एक अतिरिक्त इनडोर तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए है जो वर्तमान नौ दिवसीय ओलंपिक कार्यक्रम में लगभग तीन दिनों तक चलेगा।'' उन्होंने कहा, '' रिकर्व प्रारूप में तीरंदाजों को 70 मीटर की दूरी से निशाना लगाना होता है जबकि इंडोर रिकर्व में उन्हें 18 मीटर से निशाना लगाना होता है। इस तरह की सुविधा अमेरिका में पहले से मौजूद है जो पेरिस (2024) के बाद होने वाले इन खेलों (2028) का मेजबान है।''

इस मामले में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति अंतिम निर्णय लेने से पहले, अन्य खेलों से मिली प्रविष्टियों के सुझाव का भी मूल्यांकन करेगा। भारतीय तीरंदाजी के हाई परफार्मेंस निदेशक संजीव सिंह ने विश्व निकाय के फैसले की सराहना की, इसे भारत के लिए ' बड़ा बदलाव' वाला करार दिया। भारत ने इस खेल में अभी ओलंपिक पदक नहीं जीता है। सिंह ने कहा, ''हमारे कम्पाउंड तीरंदाज बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। छह साल के समय में ऋषभ यादव, प्रथमेश फुगे और जुवाकर, कुदेरा, प्रिया गुर्जर, परनीत कौर, अदिति, प्रगति और साक्षी के मौजूदा जूनियर लॉट पूरी तरह से तैयार होंगे और ओलंपिक पदक जीतने के दावेदार होंगे।''

फीडे कैंडीडेट्स शतरंज - नेपोमिन्सी की एक और जीत बढ़त बरकरार

मेड्रिड ,स्पेन । फीडे कैंडीडेट 2022 मे दूसरे विश्राम के ठीक पहले रूस के यान नेपोमिन्सी नें प्रतियोगिता में एक और बड़ी जीत दर्ज करते हुए अपनी एकल बढ़त को कायम रखा है नेपोमिन्सी नें पोलैंड के विश्व कप विजेता यान डूडा को मात दी ,साथ ही यूएसए के फबियानों कारुआना नें भी फ्रांस के अलीरेजा फिरौजा को मात देते हुए आधा अंक के अंतर से दूसरा स्थान पर बने हुए है । नेपोमिन्सी ने सफ़ेद मोहरो से रेटी ओपनिंग खेलते हुए शुरुआत से ही अपने प्यादो से जोरदार आक्रमण किया और लगातार स्थाईत बेहतर करते हुए 35 चालों में बजाई जीत ली । कारुआना नें काले मोहरो से क्लोस कैटालन में फ्रांस के अलीरेजा को 42 चालों में पराजित किया । अन्य दो मुकाबलों में अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव से हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट नें तो चीन के डिंग लीरेन से यूएसए के हिकारु नाकामुरा नें बजाई ड्रॉ खेली । कुल 14 राउंड के इस टूर्नामेंट में 6 राउंड के बाद नेपोमिन्सी 4.5 तो फबियानों कारुआना 4 अंक बनाकर पहले दो स्थान पर बने हुए है । फीडे कैंडीडेट जीतने वाला खिलाड़ी विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन के ताज को चुनौती देगा ।

फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप : मेजबान भारत अपने पहले मैच में भुवनेश्वर में अमेरिका से भिड़ेगा

नवी मुंबई। फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप इंडिया 2022 के आधिकारिक ड्रा में भारत ग्रुप-ए में आया है। भारतीय टीम भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में अपने पहले मैच में संयुक्त राज्य अमेरिका से भिड़ेगी। इसके बाद भारत को मोरक्को और ब्राजील के खिलाफ खेलना है। प्रत्येक फीफा अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप में भाग लेने के अपने रिकॉर्ड को बरकरार रखने वाली जर्मनी की टीम को नाइजीरिया, चिली और टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण के मेजबान न्यूजीलैंड के साथ ग्रुप बी में रखा गया था। इस बीच, गत चैंपियन स्पेन को कोलंबिया, मैक्सिको और चाइना पीआर के साथ ग्रुप-सी में रखा गया है। साल 2014 कोस्टा रिका में आयोजित विश्व कप का खिताब जीतने वाले जापान को तंजानिया, कनाडा और एक अन्य पूर्व चैम्पियन फ्रांस के साथ ग्रुप-डी में रखा गया है।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा-

यह ड्रा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस टूर्नामेंट के अगले संस्करण को सफल बनाने के लिए कई मेहनती लोग शामिल हैं और यह इस बात का सबूत है कि इस ड्रा और उसके बाद का टूर्नामेंट सुरक्षित रूप से आयोजित होगा।

खेल मंत्री अनुराग ठाकुर बोले-

मैं हमारे सुंदर और जीवंत राष्ट्र में सभी टीमों का स्वागत करता हूं। जब आप भारत आते हैं तो आप दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। 'यह हमारे देश में महिलाओं से जुड़े खेलों के लिहाज से एक विशेष टूर्नामेंट है क्योंकि हमारा दृढ़ विश्वास है कि यह आयोजन अधिक से अधिक युवा महिलाओं को खेलों को एक लिंग-समावेशी खेल का मैदान बनाने के लिए प्रेरित करेगा।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने से फॉर्म और भारतीय टीम में वापसी करने मदद मिली : पुजारा

लीस्टर (एजेंसी)।

भारत के स्टार बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा कि रणजी ट्रॉफी और काउंटी चैंपियनशिप में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में खेलने से उन्हें अपनी फॉर्म और राष्ट्रीय टीम में वापसी करने में मदद मिली।

चौतीस वर्षीय पुजारा को इस साल के शुरू में श्रीलंका के खिलाफ भारत की घरेलू टेस्ट श्रृंखला के लिये टीम में नहीं चुना गया था। ससेक्स की तरफ से पांच मैचों में 120 की औसत से 720रन बनाने के बाद उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिये फिर से राष्ट्रीय टीम में चुना गया।

पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में मुंबई के खिलाफ 83 गेंदों में 91 रनों की पारी खेली थी। उन्होंने दूसरी डिवीजन की काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स के लिये दो दोहरे शतकों सहित चार शतक लगाये।

पुजारा ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''मेरे लिये यह अधिक से अधिक प्रथम श्रेणी मैचों में खेलने से जुड़ा था। यह अनुभव महत्वपूर्ण था। जब आप फॉर्म में वापसी करना चाहते हैं, जब आप अपनी लय हासिल करना चाहते हैं, जब आपके पास वह एकाग्रता हो तोकुछ लंबी पारियां खेलना महत्वपूर्ण होता है।''

उन्होंने कहा, ''इसलिए, जब मैं ससेक्स के लिये खेल रहा था तो ऐसा कर सकता था। जब मैंने डर्बीशर के खिलाफ अपनी पहली बड़ी पारी खेली तब मुझे लगा कि मैंने अपनी लय हासिल कर ली है। मेरी एकाग्रता और सब कुछ ठीक चल रहा था। मैंने ससेक्स के साथ बहुत अच्छा समय बिताया।'' पुजारा ने कहा कि उन्हें काउंटी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करने का भरोसा था, क्योंकि वह पहले से ही रणजी ट्रॉफी में अच्छी फॉर्म में थे। उन्होंने कहा, ''मैंने रणजी ट्रॉफी में सौराष्ट्र के लिये तीन मैच खेले। वहां भी मुझे लय हासिल करने में मदद मिली। मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं।'' पुजारा के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत तथा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा चार दिवसीय अभ्यास मैच में लीसेस्टरशर की तरफ से खेलेंगे। भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट मैच एक जुलाई से बर्मिंघम एजबेस्टन में होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अत: बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफ्लिस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफ्लिस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूँगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिखंइा देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुँच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पेडिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान में थिएटर्स कंगाल, नहीं मिल रहे दर्शक, मुश्किल हो गया किराया और बिजली बिल जुटाना

इस्लामाबाद। कराची में कुछ बची हुई सफेल और सस्ती सिंगल स्क्रीन थियेटरों में एक में एक अनोखा पोस्टर चस्पा दिखा। जिसमें लिखा गया कि गुरुवार, 9 जून तक थियेटर बंद रहेगा। हालांकि उनके फेसबुक पेज पर नोटिस में बंद होने का कारण नहीं बताया गया था। लेकिन इसका कारण स्पष्ट था, लोग फिल्में देखने के लिए जा ही नहीं रहे हैं। वीकेंड में तो फिर भी थिएटर्स के अंदर लोग नजर आ जाते हैं, वीक डेज का नजारा तो सन्नाटों से भरा होता है। इसके साथ ही एक न्यूजपेपर एड के साथ बताया गया कि सिनेमा घर 10 जून को जुरासिक वर्ल्ड- डोमिनियन के साथ फिर से खुल जाएगा। वैसे ये ये पहली बार नहीं था जब कैपरी सिनेमा ने अपनी विशाल सिनेमा स्क्रीन पर से पर्दा हटाया। 23 से 27 मई के बीच भी यही आलम देखने को मिला था। लेकिन ये नजारा केवल पाकिस्तान के सिंगल स्क्रीन्स का नहीं बल्कि मल्टीप्लेक्स भी ऐसी ही कंगाली के दौर से गुजर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो जिसकी वजह से अब उन्हें किराया और बिजली का बिल जुटाना मुश्किल हो रहा है। कहा तो ये भी जा रह है कि अगर ऐसा कुछ और वक्त तक चलता रहा तो कुछ टाइम के बाद वहां से सिनेमा का चलन ही विलुपत हो जाए। पाकिस्तान में बॉलीवुड फिल्मों के शोज बंद होने के बाद से ही फिल्मों के डिस्ट्रीब्यूटर, प्रोड्यूसर और थिएटर मालिकों के बीच एक शीत-युद्ध चल रहा था। सरकार द्वारा कोविड -19 प्रतिबंधों में ढील दिए जाने के बाद भी मल्टीप्लेक्स व्यवसाय खोलने के लिए इच्छुक नहीं थे। रिपोर्ट में एक सिनेमा मालिक ने बताया कि अगर ऐसे ही हालात रहे तो उसे अपना बिजनेस बंद करना पड़ेगा, क्योंकि खर्चे कमाई से कहीं ज्यादा भारी पड़ रहे हैं। सरकार इस ठंडे पड़ रहे सिनेमा बिजनेस को राहतों की आंच देती तो रहती है, मगर इसका बहुत असर होता नहीं दिखता। अगर मौजूदा स्थिति बनी रहती है, तो सरकार से वादा किए गए प्रोत्साहनों की कोई भी राशि फिल्मों को अपने पैरों पर वापस लाने में मदद नहीं कर सकती है।

भारत ने भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान को भेजी 27 टन आपात राहत सामग्री

नयी दिल्ली। भारत ने भूकंप प्रभावित अफगानिस्तान के लोगों की मदद के लिए सबसे पहले सहायता प्रदान करते हुए दो विमानों से वहां 27 टन आपात राहत सामग्री भेजी है। विदेश मंत्रालय के शुक्रवार को जारी बयान के अनुसार, अफगानिस्तान में 22 जून को आए शक्तिशाली भूकंप के कारण व्यापक तबाही एवं जानमाल का नुकसान हुआ है। बयान के मुताबिक, भारत सरकार ने सबसे पहले सहायता प्रदान करते हुए दो विमानों से वहां 27 टन आपात राहत सामग्री काबुल भेजी जिसमें तंबू, स्लीपिंग बैग, कंबल, चटाई आदि शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि राहत सामग्री की खेप काबुल में मानवीय सहायता मामलों संबंधी संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (यूएनओसीएचए) और अफगान रेड क्रीसेंट सोसाइटी (एआरसीएस) को सौंपी जायेगी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत, संकट की इस घड़ी में अफगानिस्तान के लोगों के साथ एकजुटता के साथ खड़ा है जिनके साथ हमारे सदियों पुराने संबंध हैं। गौरतलब है कि अफगानिस्तान में भीषण भूकंप में करीब 1000 लोग मारे गए हैं और हजारों मकान तबाह हो गए हैं, जिससे बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए हैं।

यूरोपीय संघ ने यूक्रेन को उसकी सदस्यता का दावेदार बनाया

ब्रसेल्स। यूरोपीय संघ बृहस्पतिवार को यूक्रेन को यूरोपीय संघ की सदस्यता की ओर ले जाने के लिए राजी हो गया ताकि उसे पश्चिमी देशों के और करीब लाया जा सके। ब्रसेल्स में एक सम्मेलन के दौरान यूरोपीय संघ के 27 देशों के नेताओं ने यूक्रेन को दावेदार का दर्जा देने के लिए आवश्यक सहमति जुटा ली। इससे वह प्रक्रिया शुरू हो गयी है, जिसे पूरी होने में वर्षों या दशकों तक का समय लग सकता है। यूरोपीय संघ ने पूर्व सोवियत संघ के एक अन्य देश मोल्डोवा को भी सदस्यता की ओर ले जाने की मंजूरी दे दी है। मोल्डोवा की सीमा यूक्रेन से लगती है। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वोन डेर लेयेन ने इसे ''यूरोप के लिए अच्छा दिन'' बताया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने ट्वीट कर आभार व्यक्त किया और एलान किया कि ''यूक्रेन का भविष्य यूरोपीय संघ के साथ रहकर है।

सू ची को नए जेल के कक्ष में अकेले रखा गया है : म्यांमा

बैंकॉक। म्यांमा की सैन्य सरकार ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि अपदस्थ नेता आंग सान सू ची को जेल परिसर में अन्य बंदियों से अलग एक क्वार्टर में ले जाया गया है। सू ची को 1 फरवरी, 2021 को उनकी निर्वाचित सरकार का तख्ता पलट करने के बाद सेना द्वारा गिरफ्तार किया गया था। शुरुआत में उन्हें राजधानी नेपीता में उनके आवास पर रखा गया था, लेकिन बाद में उन्हें एक अन्य स्थान पर ले जाया गया। पिछले एक साल से, उन्हें नेपीता में एक अज्ञात स्थान पर रखा गया है, जिसे आमतौर पर एक सैन्य अड्डा माना जाता है।

सत्तारूढ़ सैन्य परिषद के प्रवक्ता मेजर जनरल ज़ॉ मिन तुन ने पत्रकारों को एक संदेश में पुष्टि की कि सू ची को बुधवार को नेपीता की मुख्य जेल में ले जाया गया, जहां उन्हें ''अच्छी'' परिस्थितियों में अन्य कैदियों से अलग रखा जा रहा है। उनके स्थानांतरण की खबर बुधवार को आई थी लेकिन आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की गई थी। उन्होंने कहा कि सू ची को पहले ही कई मामलों में दोषी ठहराया जा चुका है और उन्हें कानून के अनुसार जेल में स्थानांतरित कर दिया गया है। सू ची की अदालती कार्यवाही से परिचित एक कानूनी अधिकारी ने कहा कि उन्हें तीन महिला पुलिसकर्मियों के साथ एक नवनिर्मित इमारत में रखा जा रहा है। इन महिला पुलिसकर्मियों का दायित्व उनकी सहायता करना है। उनके मामलों के बारे में जानकारी देने के लिये अधिकृत नहीं होने के कारण अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि उनके चल रहे मामलों में सुनवाई भी जेल में ही निर्मित एक अन्य नई सुविधा में होगी। रविवार को 77 साल की हो गईं सू ची ने पिछली सैन्य सरकार के तहत लगभग 15 साल हिरासत में बिताए, लेकिन वस्तुतः वह इस दौरान देश के सबसे बड़े शहर यंगून में अपने परिवार के घर में नजरबंद थीं। वह गुप्त स्थान जहां वह पिछले एक साल से अधिक समय से थी, एक निवास स्थान था। सरकार द्वारा कार्रवाई के डर से नाम न जाहिर करने के अनुरोध के साथ एक अन्य कानूनी अधिकारी ने कहा कि उनकी मदद करने के लिए उनके पास नौ लोग थे, और उन्हें एक कुत्ता रखने की अनुमति दी गई थी, जो उनके एक बेटे द्वारा उन्हें दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि नई जेल में न तो उनके पूर्व कर्मी और न ही कुत्ता उनके साथ होगा। सू ची पर भ्रष्टाचार समेत कई आरोप हैं। उनके समर्थकों का कहना है कि आरोप उन्हें बदनाम करने और सेना द्वारा सत्ता कब्जाने को वैध बनाने के लिए राजनीति से प्रेरित हैं।

भारत-चीन संबंध खुद ठीक करने की क्षमता संबंधी जयशंकर का बयान आजादी का प्रतीक : वांग यी

बीजिंग। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने अपने भारतीय समकक्ष एस. जयशंकर की उन टिप्पणियों की प्रशंसा की है, जिसमें उन्होंनेयूरोप के वर्चस्ववाद को अस्वीकार करते हुए कहा था कि चीन-भारत अपने संबंधों को दुरुस्त करने में 'पूरी तरह से सक्षम' हैं। वांग यी का कहना है कि जयशंकर की टिप्पणी भारत की 'आजादी की परम्परा' को दर्शाती है। चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत के साथबुधवार को अपनी पहली बैठक में वांग ने कहा कि दोनों देशों को अपने रिश्तों की गर्मजोशी बरकरार रखने, उन्हें पटरी पर लाने तथा पहले जैसी स्थिति में पहुंचाने के लिए एक ही दिशा में प्रयास करना चाहिए। विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर पोस्ट की गई टिप्पणियों में उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों को विभिन्न वैश्विक चुनौतियों का सामना करने और चीन, भारत और विभिन्न विकासशील देशों के साझा हितों की रक्षा के लिए मिलकर काम करना चाहिए। वांग ने रावत से कहा, हाल ही में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सार्वजनिक रूप से यूरोपीय वर्चस्ववाद को नकारने और चीन-भारत संबंधों में बाहरी ताकतों के हस्तक्षेप पर आपत्ति व्यक्त की। यह भारत की स्वतंत्रता की परंपरा को दिखाता है। गत तीन जून को स्लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में एक सम्मेलन में एक संवाद सत्र में, जयशंकर ने कहा था कि यूरोप को इस मानसिकता से बाहर निकलना होगा कि उसकी समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं, लेकिन दुनिया की समस्याएं यूरोप की समस्याएं नहीं हैं। जयशंकर ने यूरोप की इस अवधारणा को खारिज कर दिया था कि यूक्रेन हमले को लेकर भारत के रुख की वजह से चीन के साथ किसी समस्या की स्थिति में उसे (भारत को) मिलने वाले वैश्विक सहयोग पर असर पड़ सकता है। जयशंकर ने कहा था कि भारत का चीन के साथ एक कठिन रिश्ता है, लेकिन यह इसे दुरुस्त करने में यह पूरी तरह से सक्षम है। वांग ने रावत से कहा कि चीन और भारत दो महान प्राचीन पूर्वी सभ्यताएं हैं, दो प्रमुख उभरते विकासशील देश और दो प्रमुख पड़ोसी देश हैं।

उत्तर कोरिया में किम जोंग उन केन्द्रीय सैन्य आयोग की एक बैठक में शामिल हुए।

उत्तर कोरिया ने तनाव के बीच अग्रिम मोर्चे के सैनिकों के लिए नयी कार्ययोजना को मंजूरी दी

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने ''विरोधी ताकतों'' से निपटने के लिए अग्रिम मोर्चे के सैनिकों के कामों में एक ''अहम सैन्य कार्य योजना'' शामिल करने और देश की परमाणु क्षमता को मजबूत करने का फैसला किया है। सरकारी मीडिया की शुक्रवार को जारी खबर के अनुसार, सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी के केंद्रीय सैन्य आयोग के सदस्यों ने एक महत्वपूर्ण बैठक में अग्रिम मोर्चे के सैनिकों के कामों में एक ''अहम सैन्य कार्य योजना'' शामिल करने और परमाणु क्षमता को मजबूत करने का फैसला किया। उत्तर कोरिया ने हालांकि अग्रिम मोर्चे की सेना इकाइयों के लिए नए अभियानगत कामों को ब्योरा नहीं दिया, लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि हो सकता है कि देश प्रतिद्वंद्वी देश दक्षिण कोरिया के साथ लगती सीमा पर परमाणु हथियार तैनात करने की योजना बना रहा हो। उत्तर कोरिया की 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' के अनुसार, सैन्य आयोग की तीन दिवसीय बैठक के दौरान किम ने देश की सैन्य ताकत को मजबूत करने और विरोधी ताकतों से निपटने के लिए '' आत्मरक्षा संबंधी क्षमताओं को मजबूत करने'' की योजना पर काम करने आह्वान किया। यह बैठक बृहस्पतिवार को सम्पन्न हुई।

ब्रिक्स राष्ट्रों ने संयुक्त राष्ट्र को और प्रभावी बनाने के लिये इसमें व्यापक सुधार की अपील की

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित ब्रिक्स देशों के नेताओं ने बृहस्पतिवार को सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) सहित संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि इसे अधिक प्रतिनिधिक, प्रभावी और कार्य-कुशल वाला बनाया जा सके।

ब्रिक्स देशों के डिजिटल वार्षिक शिखर सम्मेलन की बीजिंग घोषणा के अनुसार, चीन और रूस ने अंतरराष्ट्रीय मामलों में ब्राजील, भारत और दक्षिण अफ्रीका की स्थिति और भूमिका के महत्व को दोहराया और संयुक्त राष्ट्र में एक बड़ी भूमिका निभाने की उनकी आकांक्षाओं का समर्थन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के शीर्ष नेताओं के साथ डिजिटल शिखर सम्मेलन में भाग लिया।

शिखर सम्मेलन की मेजबानी इस वर्ष ब्रिक्स के अध्यक्ष के तौर पर चीन कर रहा है। ब्रिक्स दुनिया के पांच सबसे बड़े विकासशील देशों - ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका- को एक मंच पर लाता है। इन देशों की वैश्विक आबादी में 41 प्रतिशत, वैश्विक जीडीपी में 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार में 16 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ब्रिक्स देशों ने पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग के आधार पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक उज्ज्वल साझा भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से सभी के लिए लोकतंत्र, मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता के प्रचार और संरक्षण को सुनिश्चित करने को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

घोषणा में कहा गया है, 'हम अंतरराष्ट्रीय कानून को बनाए रखने के माध्यम से बहुपक्षवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हैं। इसमें संयुक्त राष्ट्र के चार्टर में इसकी अनिवार्य आधारशिला के रूप में निहित उद्देश्यों और सिद्धांतों तथा एक अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका शामिल है, जिसमें संप्रभु राष्ट्र, शांति और सुरक्षा, सतत विकास को आगे बढ़ाने, लोकतंत्र को बढ़ावा देने और इसका संरक्षण करने, मानवाधिकार और सभी के लिए मौलिक स्वतंत्रता बनाए रखने के लिए सहयोग करते हैं।' साथ ही, आपसी सम्मान, न्याय और समानता की भावना के आधार पर सहयोग को बढ़ावा देने का भी आह्वान किया गया।

ब्रिक्स देशों के नेताओं ने संज्ञान लिया कि बहुपक्षीय प्रणाली को मजबूत करने और इसमें सुधार लाने के कार्य में वैश्विक शासन के संस्थाओं को अधिक समावेशी, प्रतिनिधिक और भागीदारी बनाना शामिल है ताकि निर्णय लेने की वैश्विक प्रक्रियाओं और संरचनाओं में विकासशील और कम विकसित देशों, विशेष रूप से अफ्रीका में, की ज्यादा व अर्थपूर्ण सहभागिता को आसान बनाया जा सके और उसे समकालीन वास्तविकताओं के साथ बेहतर तरीके से जोड़ा जा सके। नेताओं ने घोषणा में कहा, 'हम संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव 75/1 को याद करते हैं और संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख संस्थाओं में सुधार की अपील दोहराते हैं। हम संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार पर चर्चा में नई जान फूंकने और महासभा को पुनर्जीवित करने व आर्थिक और सामाजिक परिषद को मजबूत करने का कार्य जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

ब्रिटेन में 'कंजर्वेटिव पार्टी' को दो उपचुनावों में मिली हार, प्रधानमंत्री जॉनसन को झटका

लंदन। (एजेंसी)।

ब्रिटेन में प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के नेतृत्व वाली 'कंजर्वेटिव पार्टी' को दो सीट के उपचुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। दक्षिण-पश्चिमी निर्वाचन क्षेत्र टिवर्टन और होनिटोन में 'लिबरल डेमोक्रेट्स'ने जीत दर्ज की, जबकि उत्तरी इंग्लैंड का वेकफील्ड निर्वाचन क्षेत्र मुख्य विपक्षी दल 'लेबर पार्टी' के खाते में गया। ये नतीजे 'पार्टीगेट' मामलों को लेकर पहले ही संकट का सामना कर रहे जॉनसन के लिए एक नया झटका हैं। वेकफील्ड और टिवर्टन एवं होनिटोन क्षेत्रों पर कंजर्वेटिव पार्टी के उन सांसदों के प्रतिस्थापन के लिए चुनाव हुआ था, जिन्होंने विभिन्न आरोपों के चलते इस्तीफा दे दिया था।

इनमें से एक सांसद को यौन उत्पीड़न का दोषी ठहराया गया था जबकि दूसरे को हाउस ऑफ कॉमन्स (संसद के निचले सदन) के कक्ष में अश्लील वीडियो (पोर्नोग्राफी) देखते पाया गया था। हालांकि इस प्रकरण पर सांसद ने यह कहकर सफाई देने की कोशिश की थी कि वह अपने फोन पर ट्रैक्टरों की तस्वीरें खोज रहे थे। इन नतीजों से अशांत कंजर्वेटिव पार्टी के बीच घबराहट बढ़ेगी, जो पहले से ही इस बात को लेकर चिंतित हैं कि अनिश्चित और विभाजनकारी जॉनसन अब चुनाव के लिहाज से सही दांव नहीं हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने हुवाई पर पाबंदी लगाकर पहले 'हमला' किया : चीनी राजदूत

कैनबरा। (एजेंसी)।

कैनबरा में चीनी राजदूत ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया ने रिश्तों को खराब करने के लिए चार साल पहले ''पहली कार्रवाई''तब की जब तत्कालीन सरकार ने सुरक्षा चिंताओं के कारण चीनी दूरसंचार कंपनी हुवाई के देश की 5जी परियोजना में शामिल होने पर रोक लगा दी। ऑस्ट्रेलिया में तैनात चीनी राजदूत शिओ कियान ने जनवरी के बाद से पहली बारयूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी सिडनी में सार्वजनिक संबोधन दिया। उनके संबोधन को बार-बार मानवाधिकार कार्यकर्ताओं ने बाधित किया।

चीनी राजदूत का यह बयान ऐसे समय आया है जब ऑस्ट्रेलियाई में पिछले महीने चुनाव के बाद नयी सरकार बनी है और बीजिंग ने रिश्तों पर जमी बर्फ को हटाने के संकेत दिए हैं। दोनों देशों के रिश्तों में वर्ष 2020 में तब खटास आ गई जब पूर्ववर्ती ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने कोविड-19 महामारी के स्रोत का पता लगाने के लिए स्वतंत्र जांच की मांग की।

हालांकि, शिओ ने सरकार के 2018 के फैसले को रेखांकित किया जब हुवाई को ऑस्ट्रेलिया की 5जी परियोजना से बाहर कर दिया गया था और दावा किया कि यह दोनों देशों के रिश्तों के लिए अहम मोड़ था। उन्होंने कहा, ''बल्कि इसे पहला हमला करार दिया जा सकता है जिसने वास्तव में हमारे सामान्य कारोबारी संबंधों को नुकसान पहुंचाया।

अफगानिस्तान में भूकंप से मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,150 हुई

गायान (अफगानिस्तान)। (एजेंसी)।

अफगानिस्तान में शुक्रवार को सरकारी मीडिया में जारी ताजा आंकड़े के अनुसार, भीषण भूकंप के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 1,150 हो गई है। ईंट और पत्थरों से बने घर भूकंप के कारण मलबे में तब्दील हो गए हैं और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पहले से ही आर्थिक संकट का सामना कर रहे 3.8 करोड़ की आबादी वाले देश में लाखों बच्चों के गंभीर कुपोषण की चपेट में आने का खतरा है। इस बीच छह तीव्रता वाले भूकंप ने हजारों लोगों का आसरा छीन लिया है। सरकारी मीडिया ने बताया कि बुधवार को आए भूकंप में करीब 3,000 मकान नष्ट हो गए या बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

स्थानीय 'रेड क्रीसेंट' और 'वर्ल्ड फूड प्रोग्राम' जैसे सहायता संगठन सबसे कमजोर परिवारों को भोजन और अन्य आपातकालीन जरूरतों जैसे टेंट और सोने के लिए चटाई आदि मुहैया करा रहे हैं। सरकारी समाचार एजेंसी बख्तर के तालिबान निदेशक अब्दुल वाहिद रायन ने शुक्रवार को कहा कि पिछली रिपोर्ट के अनुसार 1,000 लोग मारे गए थे और ताजा रिपोर्ट के अनुसार मृतकों की संख्या बढ़कर 1,150 हो गई है। उन्होंने कहा कि कम से कम 1,600 लोग घायल हुए हैं। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय ने मरने वालों की संख्या 770 बताई है। गायान जिले में भूकंप से कम से कम 1,000 मकान क्षतिग्रस्त हो गए। खोस्त प्रांत के स्पेरा जिले में 800 मकानों को नुकसान पहुंचा है, हालांकि आधुनिक इमारतें छह तीव्रता वाले भूकंप का सामना करने में सक्षम रहीं, लेकिन मिट्टी-ईंट के बने मकान और भूस्खलन संभावित पहाड़ ऐसे भूकंपों को और अधिक खतरनाक बनाते हैं।

जर्मनी, नॉर्वे और कई अन्य देशों ने घोषणा की कि वे भूकंप प्रभावितों के लिए सहायता भेज रहे हैं, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे केवल संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों के माध्यम से काम करेंगे, तालिबान के साथ नहीं, जिसे अब तक किसी भी सरकार ने आधिकारिक तौर पर मान्यता नहीं दी है। भोजन और अन्य आवश्यक सामग्री से भरे ट्रक पाकिस्तान के रास्ते अफगानिस्तान पहुंचे और मानवीय सहायता सामग्री से भरे विमान ईरान और कतर में उतरे। भारत ने कहा है कि उसकी सहायता सामग्री वहां मौजूद एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी और अफगान रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी जाएगी।

भारत को धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन करने वाला देश घोषित करे अमेरिका, पाक समर्थक डेमोक्रेटिक सांसद ने प्रस्ताव पेश कर की मांग

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

पाकिस्तान के लिए भारत को विशेष रूप से चिंता समयंक मानी जाने वाली डेमोक्रेटिक पार्टी वाला देश घोषित करने को मांग की गई है। इल्हान उमर के इस प्रस्ताव में अमेरिका के विदेश मंत्रालय से गुजारिश की गई है। प्रस्ताव में कहा गया कि अमेरिका का विदेश मंत्रालय भारत को एक ऐसा देश घोषित करे जहां पर धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का कथित उल्लंघन होता है। इस प्रस्ताव को सांसद रशीदा तालिब विरोधी तेवर जारी रखते हुए अमेरिकी सदन में एक प्रस्ताव पेश किया है। बता दें कि उमर ने हाल में पाकिस्तान के के विदेश मंत्री से धार्मिक दौरा कर चुकी कब्जे वाले कश्मीर का भी दौरा किया था। ये प्रस्ताव पेश करने वाली अमेरिका की मुस्लिम महिला सांसद दुनिया भर में 'इस्लामोफोबिया' से जुड़े मामलों पर अपनी राय देने के लिए मशहूर हैं। इल्हान उमर को स्वघोषित तौर पर पूरी दुनिया के मुस्लिमों के मानवाधिकारों का सबसे बड़ा रक्षक माना जा सकता है। इसके साथ ही उनके बयानों की वजह से वो कभी अपने ही देश के राजनेताओं तो कभी सरकार के लिए भी मुसीबत का सबब बन जाती हैं।

कौन है इल्हान उमर ?

40 साल की इल्हान सोमालियाई अमेरिकी राजनेता हैं जो साल 2019 से मिनिसोटा में चुनाव जीतकर हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में आई थी। वो अमेरिकी संसद यानी कांग्रेस में पहुंचने वाली पहली दो मुस्लिम महिला सांसदों में से एक हैं। अमेरिकी संसद में पहुंचने वाली वो पहली सोमालियाई अमेरिकी नागरिक भी हैं। मूल रूप से वो अफ्रीका की नागरिक रही हैं।

भारतीय-अमेरिकी मुस्लिम समूह ने की प्रस्ताव की सराहना

अमेरिका के एक मुस्लिम संगठन 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' (आईएएमसी) ने डेमोक्रेटिक पार्टी की सांसद इल्हान उमर द्वापा प्रस्ताव पेश करने के लिए सराहना की है। संगठन के अध्यक्ष सैयद अफजल अली ने कहा, '' यह देखना दुखद है कि जिस देश से हम प्यार करते हैं वह अपने सबसे कमजोर नागरिकों के साथ भेदभाव कर रहा है और कट्टरता, असहिष्णुता के मार्ग पर चल रहा है।'' हालांकि, इस तरह के प्रस्ताव के पारित होने की उम्मीद न के बराबर है, खासतौर पर सांसद उमर के प्रतिशोधी रुख को देखते हुए।

केजरीवाल के सिंगापुर दौरे पर लगा ग्रहण, नए रूम ने रोक ली फाइलें

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और नए नियुक्त हुए उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना के बीच का विवाद लगातार ही बढ़ता जा रहा है। दिल्ली सरकार के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि उपराज्यपाल वीके सक्सेना के कार्यालय ने सीएम अरविंद केजरीवाल की कुछ फाइलों को अपने पास रोक लिया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को विश्व शहरों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिंगापुर जाना है। शिखर सम्मेलन 2-3 अगस्त के लिए निर्धारित है। लेकिन एलजी ऑफिस में फाइलें अटकने की वजह से अरविंद केजरीवाल के आगामी सिंगापुर दौरे पर ग्रहण लग सकता है। आमतौर पर मुख्यमंत्री के दौरों से संबंधित फाइलें 1-2 दिन में लौटा दी जाती है। लेकिन इस बार इन्हें 3 सप्ताह से रोककर रखा गया है।' लेकिन छोटे-छोटे मामलों से जुड़ी फाइलें भी अटकी पड़ी हैं। इनमें से सीएम के वर्ल्ड सिटीज समिट में भाग लेने के लिए सिंगापुर जाने की फाइल भी है। वह फाइल तीन सप्ताह से लंबित है। केजरीवाल ने 2 जून को कहा था कि सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वोंग ने उन्हें आमंत्रित किया था और उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया था। सूत्रों ने बताया कि फाइल सक्सेना को सात जून को भेजी गई थी। यह पहली बार नहीं है जब किसी अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में केजरीवाल की उपस्थिति चर्चा में रही है। 2019 में, विदेश मंत्रालय ने उन्हें डेनमार्क में कोपेनहेगन सी40 वर्ल्ड मेयर्स समिट में भाग लेने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

हैदरपुरा मुठभेड़: मृतक का शव निकालने की याचिका पर सुनवाई करेगा उच्चतम न्यायालय

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने 'हैदरपुरा मुठभेड़' में मारे गये एक युवक के पिता की उस याचिका पर 27 जून को सुनवाई करने पर शुक्रवार को सहमति जता दी, जिसमें उसने अपने बेटे का शव (कब्र से) निकालकर अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंपने का अनुरोध किया है। जम्मू-कश्मीर के हैदरापुर इलाके में पिछले साल नवम्बर में आमिर मागरे एवं तीन अन्य युवक को आतंकवादी बताकर कथित मुठभेड़ में मार गिराया गया था। तक आमिर के पिता मोहम्मद लतीफ मागरे की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद ग्रोवर ने न्यायमूर्ति सी. टी.रवि कुमार और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अवकाशकालीन पीठ को बताया कि जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने मागरे के बेटे का शव कब्र से निकालने की अनुमति दी थी, लेकिन बाद में खंडपीठ ने इस पर रोक लगा दी थी। ग्रोवर ने कहा कि उनके मुवक्किल ने जीवन भर सेना का समर्थन किया है और बेटे आमिर मागरे का शव निकालने का एकमात्र मकसद अंतिम संस्कार करना है। ग्रोवर ने याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध करते हुए कहा कि हर गुजरते दिन के साथ, शव को निकालना और मुश्किल होता जाएगा और शीर्ष अदालत के कई फैसले उनके पक्ष में हैं। पीठ ने याचिका की सुनवाई के लिए 27 जून की तारीख मुकर्रर की। श्रीनगर के बाहरी इलाके हैदरपुरा में 15 नवंबर, 2021 को हुई मुठभेड़ में चार लोग मारे गए थे। एक ओर जहां पुलिस ने कहा था कि वे सभी आतंकवादी थे, तो दूसरी ओर पीड़ितों के परिजनों का दावा है कि मृतक निर्दोष थे। इन सभी के शव उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में दफनाये गए हैं।

भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को जान से मारने की धमकी, दर्ज कराई रिपोर्ट

पटना । भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल को जान से मारने की धमकी दी गयी है। बचौल ने सचिवालय थाना पटना में इसकी प्राथमिकी दर्ज कराई है। बीती रात उन्हें मोबाइल पर यह धमकी तब दी गई जब वे विधानसभा सत्र में भाग लेने पटना जा रहे थे। एक टीवी चैनल को इंटरव्यू में बचौल ने खुद यह जानकारी दी है। विधायक बचौल को वाई श्रेणी की सुरक्षा दी गई है। बीजेपी एमएलए विधानसभा के मानसून सत्र में भाग लेने पटना पहुंचे। उन्होंने बताया कि रात को वे पटना आ रहे थे। रात में करीब 10 बजकर 38 मिनट पर उनके मोबाइल पर कॉल आया। कॉल करने वाले ने उनके साथ गाली गलौज किया। गाली देने वाले शख्स ने उन्हें जान से मार देने की धमकी दी। उस समय वे मुजफ्फरपुर के लोकेशन से गुजर रहे थे। धमकी दे रहे शख्स ने कहा कि इतना गोली मारेंगे कि कोई गिन नहीं पाएगा। हालांकि विधायक बचौल ने इसे कायराना हड़कत बताया है। उन्होनें कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को इसकी जानकारी देंगे। किसी पर शक होने के सवाल पर विधायक बचौल ने कहा कि वे अक्सर जेहादियों के खिलाफ बोलते रहते हैं। हो सकता है कि धमकी देने वाला उन्हीं में से कोई हो। पुलिस जांच कर रही है और जब तक कुछ पता न चले, तबतक कुछ कहा नहीं जा सकता। विधायक हरिभूषण ठाकुर ने कहा सचिवालय थाना में उन्होंने धमकी देने वालों के खिलाफ केस दर्ज करा दिया है। पुलिस अपना काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले भी उन्हें जान मारने की धमकी दी गयी थी। तब भी केस दर्ज कराई गई थी। उस समय धमकी का कॉल विदेश से आया था। अग्निपथ के खिलाफ हुए हिंसक प्रदर्शन पर भी हरिभूषण ठाकुर बचौल ने तीखा बयान दिया था। बचौल ने कहा था कि इस अच्छी योजना के खिलाफ साजिश चल रही है। सेना में भर्ती होने वालों के पीछे जेहादी किस्म के लोग हिंसा फैला रहे हैं।

साढ़े 7 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के 9 साल पुराने केस में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

नई दिल्ली । राजस्थान की एक बच्ची से दुष्कर्म और उसकी हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने दोषी दरिंदे को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने कहा कि यह अपराध क्रूर और अमानवीय था। जस्टिस एएम खानविलकर, दिनेश माहेश्वरी और सीटी रविकुमार की पीठ ने दोषी को सजा सुनाई। इसके साथ ही अदालत ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली अपील को खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने इस तथ्य पर गौर किया कि दोषी ने लालच देकर बच्ची को विश्वास में लिया और उसे बाइक पर जबरन बिठाकर ले गया। इसके बाद उसने बच्ची के साथ क्रूरता और अमानवीय रूप से दुष्कर्म किया गया था। अदालत ने कहा कि यह घटना अंतरात्मा को झकझोर देती है। विशेष रूप से जिस तरह से साढ़े सात साल की मानसिक और शारीरिक रूप से विकलांग लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया और फिर बेरहमी से उसका कत्ल कर दिया गया। दोषी ने पीड़िता का सिर कुचला। मनोज प्रताप ने राजस्थान हाईकोर्ट के 29 मई 2015 को दिए फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 363, 365, 376(2)(एफ), 302 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 6 के तहत दंडनीय अपराधों में दोषी करार दिया था। ट्रायल कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई थी। बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या का ये मामला करीब 9 साल पुराना है। यह घटना राजस्थान की है। साल 2013 में शारीरिक और मानसिक रूप से विकलांग साढ़े सात साल की बच्ची का अपहरण कर लिया गया था। फिर सुनसान जगह पर बच्ची के साथ दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं दरिंदे ने दुष्कर्म के बाद बच्ची की बेरहमी से हत्या कर दी थी। दोषी का नाम मनोज प्रताप सिंह है।

एनसीसी कैडेटों को अग्निपथ योजना में मिलेंगे बोनस अंक

ग्वालियर (ईएमएस)। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने कहा कि भारतीय सेना की अग्निपथ योजना में भर्ती होने वाले एनसीसी कैडेट्स को बोनस अंक दिए जाएंगे। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि एनसीसी के अधिकारी कैडेट्स के बीच जाकर भारतीय सेना की इस योजना को समझाएंगे, जिससे ज्यादा से ज्यादा युवा भारतीय सेना के साथ जुड़ सकें। गुरबीरपाल सिंह ने ग्वालियर में एनसीसी महिला अधिकारियों के दीक्षांत परेड में हिस्सा लेने आए थे। दीक्षांत परेड के बाद लेफ्टिनेंट जनरल गुरबीरपाल सिंह ने मीडिया कर्मियों से कहा एनसीसी में महिला कैडेट्स 1950 से ही शामिल हैं और इन्होंने शानदार काम किया है। हाल में भारतीय सेना ने अग्निपथ योजना के जरिए सेना भर्ती प्रक्रिया शुरू की है। अब इस बारे में और ज्यादा जानकारी देने का काम एनसीसी अधिकारी करेंगे और एनसीसी कैडेट्स को इस योजना के बारे में समझाएंगे। उन्होंने कहा एनसीसी कैडेट्स जो ए, बी एवं सी प्रमाणपत्र धारक हैं, उन्हें अग्निवीर की भर्ती में बोनस अंक मिलेंगे। सिंह ने कहा कि इस समय देश के हर जिले में एनसीसी है और ज्यादातर युवा ग्रामीण क्षेत्रों से एनसीसी में आते हैं। ऐसे युवा अग्निवीर बनकर भारतीय सेना में सेवा तो करेंगे ही, साथ में जब चार वर्ष बाद समाज में वापस जाएंगे, तो बेहतर नागरिक बन सकेंगे और शेष भारतीय सेना में काम करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या स्कूल-कॉलेजों में एनसीसी को अनिवार्य किया जा रहा है, इस पर उन्होंने कहा एनसीसी में और क्या सुधार हो सकते हैं या इसकी अनिवार्यता के बारे में उच्च स्तरीय अधिकार समिति बनाई गई है, जिसकी रिपोर्ट अगले दिनों में आने वाली है। इससे पहले, ग्वालियर स्थित एनसीसी महिला अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में गुरबीरपाल सिंह ने महिला अधिकारियों की दीक्षांत परेड की सलामी ली। देश के विभिन्न राज्यों से आई 112 महिला अधिकारियों को अकादमी में तीन महीने का प्रशिक्षण देकर अधिकारी बनाया गया है।

दिल्ली दौरे पर रहे सीएम योगी, यूपी के विकास को लेकर केंद्रीय मंत्रियों के साथ की मैराथन बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मथुरा वृन्दावन से सम्बन्धित विभिन्न परियोजनाओं पर विचार-विमर्श एवं निर्णय हेतु एक उच्च स्तरीय बैठक आज नितिन गडकरी के आवास पर सम्पन्न हुई। उक्त बैठक में योगी आदित्यनाथ, अश्विनी वैष्णव, सर्वानन्द सोनेवाल, जी किशन रेड्डी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जयवीर सिंह भी प्रतिभाग किया गया। बैठक में मथुरा-वृन्दावन से सम्बन्धित परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण अवनीश अवस्थी अपर मुख्य सचिव गृह एवं धर्मार्थ कार्य एवं शैलजाकान्त मिश्र उपाध्यक्ष उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद, मथुरा द्वारा किया गया। उक्त बैठक में ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा मार्ग के विकास के स्वरूप के ऊपर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

तय किया गया कि परिक्रमा मार्ग को दो लेन एवं चार लेन जहां जैसी भूमि उपलब्ध हो के आधार पर विकसित किया जायेगा। परिक्रमा मार्ग में पक्की सड़क के साथ-साथ कच्ची पटरी विकसित किया जायेगा, जिससे कि श्रृद्धालु पैदल परिक्रमा कर सकें। कच्चे पथ के ऊपर घास का रोपड भी किया जायेगा, जिससे कि गर्मियों में सुविधा जनक तरीके से परिक्रमा की जा सके। दूसरी परियोजना मथुरा-वृन्दावन, गोवर्धन बाईपास बनाये जाने की है, जिस पर कि शीघ्र डी.पी.आर. बनाई जायेगी।

यह परियोजना उ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा प्रस्तुत ब्रज तीर्थ पथ परियोजना एवं गोवर्धन कनेक्ट परियोजना का एकीकृत रूप है। जैंत गांव से वृन्दावन पहुंचते हुए जी के दूसरे तट पर वृन्दावन से मथुरा एवं मथुरा से गोकुल, गोकुल से वापस नेशनल हाईवे को रिफाइनरी के पास जोड़ा जायेगा। इस पथ में स्थान-स्थान पर ब्रिज बनाकर दर्शानार्थियों को बिहारी जी, द्वारिकाधीश आदि जगहों पर पहुंचने का मार्ग उपलब्ध कराये जाने की योजना है। इस परियोजना में दो जगह यमुना नदी पर ब्रिज बनाये जाने का प्राविधान है, जो कि 6 लेन आकार के होंगे। ताकि भविष्य रोड़ के चौडीकरण किये जाने पर ब्रिज उपयुक्त साबित हो। दूसरी ओर छटीकरा से गोवर्धन होते हुए गोवर्धन ड्रेन की दोनो पटरियों का प्रयोग करते हुए हिन्दुस्तान कॉलेज के पास नेशनल हाईवे को कनेक्ट किया जायेगा, जिससे कि आगरा से आने वाले श्रृद्धालु सीधे गोवर्धन पहुंच सकेंगे, और गोवर्धन से बिना मथुरा में प्रवेश किये आगरा एवं कानपुर की ओर जा सकेंगे, जिससे मथुरा में यातायात दबाव को कम करने में सुविधा हो सकेगी।

मथुरा- वृन्दावन रेल मार्ग परियोजना पर विचार-विमर्श किया गया। माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव द्वारा अवगत कराया गया है कि इस परियोजना पर कार्य हेतु मण्डल रेल प्रबन्धक आगरा के यहां गति शक्ति यूनिट स्थापित कर दी गई वह शीघ्र ही मथुरा-वृन्दावन लाईट रेल बनाये जाने के लिए डी.पी.आर. बनाने का कार्य करेगी। यह परियोजना लगभग रु.1000.00 करोड़ की होगी। इससे श्रृद्वालु बिना ट्रेफिक जाम से सुगमता से मथुरा से वृन्दावन आ-जा सकेंगे। इसमें नोडल अधिकारी मण्डल रेल प्रबन्धक, आगरा होंगे, जो उ0प्र0 ब्रज तीर्थ विकास परिषद के साथ सामन्जस स्थापित कर योजना पर कार्य करायेंगे। वृन्दावन से गोकुल तक जलमार्ग विकसित करने हेतु परियोजना पर विचार-विमर्श किया गया। श्री सर्वानन्द सोनेवाल, मा0 मंत्री पत्तन जहाज रानी एवं जल मार्ग द्वारा अवगत कराया गया कि मंत्रालय वृन्दावन से गोकुल तक जयति बनाने का कार्य करने हेतु सहमत है, परन्तु नौका एवं उसके संचालन का काम प्रदेश सरकार को करना होगा।

पंजाब कृषि विभाग में 1178 करोड़ रुपए के घोटाले का अंदेशा, ईडी ने शुरू की जांच

चंडीगढ़। पंजाब में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में कृषि विभाग में फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) मशीनरी से जुड़े 1,178 करोड़ रुपये के घोटाले के मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस कार्रवाई से विभाग के कई अधिकारी और अन्य लोग मुश्किल में फंस सकते हैं। सूत्रों के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कृषि निदेशक से उन अधिकारियों और निजी व्यक्तियों की सूची मांगी है, जो कथित रूप से इस घोटाले में शामिल हैं। हाल ही में हुए वन घोटाले के बाद राज्य के कृषि विभाग के लिए मुसीबत बढ़ गई हैं। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत सब्सिडी घोटाले की जांच शुरू कर पिछले महीने विभाग से रिकॉर्ड मांगा था। 14 जून को कृषि निदेशक गुरविंदर सिंह को लिखे पत्र में प्रवर्तन निदेशालय ने विवरण नहीं भेजने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों की खिंचाई की थी। गुरविंदर सिंह ने पुष्टि की कि उन्हें ईडी से पत्र मिला है। पंजाब के पूर्व कृषि मंत्री रणदीप सिंह नाभा ने 8 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर अपनी ही तत्कालीन कांग्रेस सरकार के दौरान हुए फसल अवशिष्ट मशीनरी से जुड़े 1,178 करोड़ रुपये के कथित घोटाले का पर्दाफाश किया था। उन्होंने पीएम से इसकी सीबीआई से जांच कराने की भी मांग की थी। नाभा ने दावा किया था कि पराली जलाने पर अंकुश लगाने के लिए फसल अवशेष प्रबंधन (सीआरएम) योजना के तहत मशीनरी खरीदने के लिए चार साल में 1,178 करोड़ रुपये की केंद्रीय सब्सिडी दी गई थी। लेकिन कागज पर लिखी मशीनरी जमीन पर नहीं मिली। पीएम को लिखे अर्ध-सरकारी पत्र में धन के गबन का आरोप लगाया गया था।

रविशंकर प्रसाद का विरोधियों पर करारा वार

जाकिया जाफरी को था कांग्रेस-लेफ्ट का समर्थन, मोदी विरोध के नाम पर चलाई गई झूठ की दुकान

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गुजरात दंगा मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और 63 अन्य लोगों को विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा क्लीन चिट दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। जिसके बाद बीजेपी की तरफ से प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कांग्रेस और लेफ्ट पर जमकर निशाना साधा। बीजेपी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि जाकिया जाफरी को कांग्रेस और लेफ्ट का समर्थन हासिल था। लेफ्ट गैंग पीएम मोदी के पीछे पड़ी थी। पीएम मोदी के खिलाफ फर्जी कैंपेन चलाया गया।

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि पूरी जांच यूपीए शासन के दौरान हुई। पीएम मोदी पर जानबूझकर गलत आरोप लगाए गए। मोदी विरोध के नाम पर कुछ ने दुकान चलाई। गुजरात दंगे के नाम पर झूठे आरोप लगाए गए। जाकिया जाफरी की अर्जी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। एसआईटी ने पीएम मोदी को क्लीन चिट दी थी। इसके साथ ही बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद ने प्रोपगैंडा फैलाने वालों को सख्त संदेश देते हुए कहा कि देश के लोकप्रियतम नेता नरेंद्र मोदी के खिलाफ जो षड़यंत्र 2001-02 से चल रहा है वो समाप्त होना चाहिए।

बता दें कि उच्चतम न्यायालय ने 2002 के गुजरात दंगा मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और 63 अन्य लोगों को विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा क्लीन चिट दिए जाने को चुनौती देने वाली याचिका शुक्रवार को खारिज कर दी। यह याचिका गुजरात दंगों में मारे गए कांग्रेस सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जकिया जाफरी ने दायर की थी। न्यायमूर्ति ए. एम.खानविलकर, न्यायमूर्ति दिनेश माहेश्वरी और न्यायमूर्ति सी. टी. रविकुमार की एक पीठ ने मामले को दोबारा शुरू करने के सभी रास्ते बंद करते हुए कहा कि जांच के दौरान एकत्रित की गई समाग्री से मुसलमानों के खिलाफ सामूहिक हिंसा भड़काने के लिए ''सर्वोच्च स्तर पर आपराधिक षड्यंत्र रचने संबंधी कोई संदेह उत्पन्न नहीं होता है।'' पीठ ने कहा कि जकिया की याचिका सुनवाई योग्य नहीं है।

गोरखनाथ मंदिर व सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले 'लेडी डान' को आगरा से गोरखपुर लाई पुलिस

गोरखपुर (एजेंसी)।

'लेडी डान' के नाम से बने फर्जी ट्वीटर हैंडल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला व गोरखनाथ मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले सोनू कुमार को गोरखपुर पुलिस वारंट बी पर आगरा से गोरखपुर ले आई है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पकड़ा गया आरोपी फिरोजाबाद का रहने वाला है।

एक माह पहले उसे आगरा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि धमकी देने वाला भीम आर्मी से जुड़ा है। पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। फिरोजाबाद के रहने वाले सोनू कुमार ने चार फरवरी को 'लेडी डान' के नाम से बने ट्वीटर हैंडल से गोरखनाथ मंदिर और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी दी थी।

इस आइडी से लगातार तीन ट्वीट किए गए थे। पहले ट्वीट में लिखा था कि उत्तर प्रदेश विधानसभा, रेलवे स्टेशन और बस अड्डा पर बम लगा दिया गया है। भीम सेना की अध्यक्ष सीमा सिंह मानव बम बनकर मुख्यमंत्री पर हमला करेगी। राशिद ने गोरखनाथ मंदिर में बम लगा दिया है। इसके बाद पुलिस हरकत में आ गई। तभी फिर ट्वीट किया गया और लिखा कि गोरखनाथ मंदिर में सुलेमान भाई ने बम लगा दिया है।

एसएसपी के आदेश पर कैंट पुलिस 'लेडी डान' के नाम से बनी आइडी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही थी। जिसमें पता चला कि धमकी देने वाला सोनू सिंह फिरोजाबाद जिले के सिरसागंज थाना क्षेत्र के अहमदपुर का रहने वाला है।

भारत में राज्यों की संख्या बढ़कर 50 होने वाली है? कर्नाटक के सीनियर मिनिस्टर ने किया ये बड़ा दावा

बेलगावी (कर्नाटक)। (एजेंसी)।

कर्नाटक के एक मंत्री ने कहा है कि 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में राज्यों की संख्या बढ़कर 50 हो जाएगी और उत्तरी कर्नाटक नए राज्यों में शुमार होगा। खाद्य, सिविल आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री उमेश कट्टी ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 के चुनावों के बाद देश में 50 राज्य बनाने का फैसला किया है। मुझे पता चला है कि वह इस पर विचार कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राज्य को विभाजित करने का विचार अच्छा है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में जनसंख्या का बोझ बढ़ा है। जनसंख्या में वृद्धि के मद्देनजर 50 राज्यों के गठन के विचार का समर्थन करते हुए कट्टी ने कहा, ''कर्नाटक से दो राज्य, उत्तर प्रदेश से चार, महाराष्ट्र से तीन और इसी तरह के अन्य राज्य बनने चाहिए।'' कट्टी के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि उत्तरी कर्नाटक को अलग राज्य का दर्जा देने के लिए सरकार के स्तर पर कोई प्रस्ताव नहीं है।

दिग्विजय ने वीर सावरकर को लेकर किया विवादित ट्वीट तो भड़की भाजपा, कांग्रेस ने काटी कन्नी

भोपाल। (एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के कद्दावर नेता दिग्विजय सिंह अपने बयानों की वजह से हमेशा सुर्खियों में बने रहते हैं। ऐसे में उन्होंने एक बार फिर से विवादित टिप्पणी की है। जिसकी वजह से निकाय चुनावों के बीच मध्य प्रदेश की सियासत गर्मा गयी है। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और शिवराज सरकार में मंत्री विश्वास सारंग ने हमला बोला है।

उन्होंने कहा कि इससे ज्यादा दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ भी नहीं हो सकता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया, वो सावरकर जी के लिए ऐसी बातें करना शर्मनाक ही नहीं बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है। दिग्विजय सिंह जी मीडिया की सुर्खियों में बने रहने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

विश्वास सारंग ने कहा कि वीर सावरकर ने इस देश की आजादी के लिए जो कुछ भी किया, उसके लिए दिग्विजय सिंह जैसे छोटे लोगों की, जिनका मानसिक स्तर पूरी तरह से समाप्त हो चुका है, उनके सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें और अनरगल प्रचार करके वो (दिग्विजय सिंह) केवल सावरगर जी का अपमान नहीं कर रहे बल्कि उन क्रांतिकारियों का अपमान कर रहे हैं, जिन्होंने देश के लिए अपना सबकुछ न्योछावर किया है। वीर सावरकर ने देश के लिए जो कुछ किया है उसके प्रति हम कृतज्ञता ज्ञापित करें, न की उन्हें बदनाम करने की कोशिश करें।

विश्वास सारंग ने कहा कि वीर सावरकर और उनके भाई काला पानी में रहकर इस देश की आजादी के लिए संघर्ष किया है। इसी बीच उन्होंने दिग्विजय सिंह को दो टके का आदमी बताते हुए कहा कि उन्हें शर्म आनी चाहिए। इस तरह की राजनीति करके वो 10 जनपथ में अपने नंबर बढ़ा लें। लेकिन देश की जनता इस तरह के बयानों में नहीं आने वाली है। वीर सावरकर का जीवन उत्कृष्ट रहा है और उनके क्रांतिकारी विचारों का अनुसरण देश का युवा करता है।

दिग्विजय ने किया था विवादित ट्वीट

दिग्विजय सिंह ने वीर सावरकर को लेकर एक विवादित वीडियो शेयर किया था। जिसको लेकर घमासान मचा हुआ है और कांग्रेस ने भी दिग्विजय सिंह के इस बयान से किनारा कर लिया है।

दरअसल, वीडियो में कथित तौर पर वीर सावरकर पर एक ब्रिटिश महिला के साथ दुष्कर्म करने की कोशिश करने का आरोप था।

पाकिस्तान को लग सकती है मिर्ची! 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा जम्मू-कश्मीर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दुनिया के सामने भारत पाकिस्तान को बेनकाब करने की लगातार कोशिश कर रहा है। जम्मू कश्मीर को लेकर पाकिस्तान लगातार वैश्विक मंच पर दुष्प्रचार करने की कोशिश करता है। अब इसको लेकर भारत ने कूटनीतिक तरीके से बड़ा जवाब दिया है। जानकारी के मुताबिक जम्मू और कश्मीर 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन बैठक की मेजबानी करेगा। यह भारत के साथ-साथ जम्मू कश्मीर के लिए भी गौरव का क्षण होगा। एक बयान में कहा गया है कि भारत एक दिसंबर 2022 से जी-20 की अध्यक्षता करेगा और 2023 में पहली बार जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का भी आयोजन करेगा। यह आयोजन जम्मू कश्मीर में हो रहा है। केंद्र द्वारा अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 के तहत तत्कालीन जम्मू-कश्मीर राज्य को प्राप्त विशेष दर्जे की समाप्ति और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित किये जाने के बाद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में आयोजित होने वाला यह पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन होगा।

प्रभावशाली देश शामिल होंगे

जी-20 की बैठक में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के प्रभावशाली देश शामिल होंगे। इस बैठक में चीन, कनाडा, अमेरिका, जर्मनी, तुर्की समेत 20 देश शामिल होंगे। मोदी सरकार ने कूटनीतिक तरीके से पाकिस्तान को जवाब दे दिया है। कश्मीर पर पाकिस्तान के दावों को खारिज करने के रूप में इसे देखा जा रहा है। भारत जम्मू कश्मीर में इससे सम्मेलन का आयोजन कर दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश करेगा कि राज्य का आम नागरिक पूरी तरीके से भारतीय लोकतंत्र पर विश्वास रखता है। इस बैठक के लिए केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को शेरपा नियुक्त किया गया था। फिलहाल इसके लिए समिति का भी गठन किया जा चुका है। केंद्र शासित प्रदेश के आवास एवं शहरी विकास विभाग के प्रधान सचिव इस समिति के अध्यक्ष होंगे। विदेश मंत्रालय ने कहा था कि भारत एक दिसंबर, 2022 से जी-20 की अध्यक्षता करेगा और 2023 में पहली बार जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगा।

समिति का गठन

सामान्य प्रशासन विभाग के प्रधान सचिव मनोज कुमार द्विवेदी द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, ''केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में होने वाली जी-20 बैठकों के समग्र समन्वय के लिए एक समिति के गठन को मंजूरी दी जाती है।'' समिति के सदस्यों में आयुक्त सचिव (परिवहन), प्रशासनिक सचिव (पर्यटन), प्रशासनिक सचिव (आतिथ्य एवं प्रोटोकॉल) और प्रशासनिक सचिव (संस्कृति) शामिल हैं। आदेश में कहा गया है, ''इसके अलावा, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में जी-20 बैठकों की व्यवस्था के समन्वय के लिए सरकार के प्रधान सचिव (आवास और शहरी विकास विभाग) को केंद्र शासित प्रदेश स्तर के नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।'' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2014 से जी-20 शिखर सम्मेलन में भारत के प्रतिनिधित्व का नेतृत्व कर रहे हैं। भारत 1999 में जी-20 की स्थापना के बाद से इसका सदस्य है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना, मछुआरों को समुद्र में ना जाने की चेतावनी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में मॉनसून पूरी तरह सक्रिय हो गया है और राज्य के कई हिस्सों में बारिश हो रही है। हांलाकि अब भी राज्य की कई तहसीलों में बारिश की प्रतीक्षा की जा रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। जिसे देखते हुए तटीय क्षेत्र के मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की हिदायत दी गई। मौसम विभाग के अनुसार अहमदाबाद और गांधीनगर समेत मध्य गुजरात में सामान्य बारिश हो सकती है। पिछले 24 घंटों में राज्य की 105 तहसीलों में बारिश हुई है। जिसमें सबसे अधिक जूनागढ़ जिले के माणावदर में 2.5 ईंच बारिश दर्ज हुई। खांभा में 2 ईंच, राणावाव में 2 ईंच, सावरकुंडलों 2 ईंच, गिरगढ़डा में 2, कवांट में 1.50 ईंच, कुतियाणा में 1.50 ईंच, बोडेली में 1.25 ईंच, महुवा, वडिया और खंभात में 1-1 ईंच बारिश होने की खबर है। पिछले 24 घंटों के दौरान उत्तर गुजरात की 11 तहसीलों में बारिश हुई है। बायड तहसील में सबसे अधिक 1.50 ईंच बारिश हुई है। जबकि अन्य 11 तहसीलों में 1 मिमी से 1 ईंच तक बारिश दर्ज हुई। मौसम विभाग के मुताबिक अगले दो दिन दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र में भारी से अतिभारी बारिश हो सकती है। इस दौरान समुद्र के तूफानी होने की संभावनाओं को देखते हुए मछुआरों को समुद्र में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान समुद्र में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलेगी। भावनगर, अलंग, विक्टर, द्वारका, वेरावल, जाफराबाद, पीपावाव, दहेज समेत दक्षिण गुजरात के तटीय क्षेत्र और उसके बाहर दक्षिण-पश्चिम दिशा से पश्चिम दिशा में 40 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलने से समुद्र की लहरें तूफानी हो सकती हैं। हवा की रफ्तार 60 किलोमीटर प्रति घंटे पर भी पहुंच सकती है, इसलिए तटीय क्षेत्र के मछुआरे समुद्र में जाने से बचें।

चार हत्या समेत 21 मामलों में वांछित कुख्यात आरोपी प्रवीण रावत बिहार से गिरफ्तार

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत क्राइम ब्रांच को 6 साल से फरार कुख्यात आरोपी प्रवीण रावत को पकड़ने में सफलता मिली है। प्रवीण राउत 4 हत्या, हत्या की कोशिश, डकैती, लूट और वसूली समेत 21 जितने मामलों में वांचित था। बिहार के अपने गांव में छिपे प्रवीण रावत को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन घोस्ट लांच कर उसे दबोच लिया। सूरत पुलिस आयुक्त अजय तोमर ने बताया कि सूरत पुलिस ने कुख्यात आरोपी प्रवीण रावत को पकड़ने के लिए ओपरेशन 'घोस्ट' शुरू किया। इस दौरान सूरत क्राइम ब्रांच को जानकारी मिली कि कुख्यात आरोपी प्रवीण रावत बिहार में अपने गांव गोरमा गांव में छिपा है। सूचना के आधार पर सूरत क्राइम ब्रांच की टीम उसके गांव पहुंच गई। जहां आरोपी से अपनी पहचान छिपाने के लिए वहां की वेशभूषा धारण कर ली। इतना ही नहीं आरोपी का पता लगाने के लिए फल विक्रेता बनकर क्षेत्र में लारी चलाकर भी जानकारी जुटाई। सूरत पुलिस ने एक सप्ताह तक गांव की रैकी कर आरोपी के बारे में ठोस जानकारी एकत्र की। कुख्यात प्रवीण रावत काफी चालाक और अपने पास हमेशा हथियार रखता था। जिससे प्रवीण रावत को उसके गांव में पकड़ना आसान नहीं था। हांलाकि आंठवें दिन पुलिस को उस समय बड़ी सफलता मिली जब प्रवीण रावत गांव की सीमा पर ताडी पीने निकला था। गांव से बाहर निकलते ही सूरत पुलिस ने प्रवीण रावत को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार आरोपी प्रवीण बिहार में बैठकर फोन के माध्यम से अपने गिरोह को आपरेट कर रहा था। आरोपी से परेशान होकर बिल्डर और अन्य उद्योग से जुड़े पीड़ित व्यापारियों ने पुलिस से उसके खिलाफ शिकायत की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात दंगों के मामले में जाकिया जाफरी की याचिका की खारिज

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कांग्रेस के दिवंगत सांसद एहसान जाफरी की पत्नी जाकिया जाफरी की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में 2002 के गुजरात दंगों के मामले में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी 64 लोगों को विशेष जांच दल (एसआईटी) द्वारा दी गई क्लीन चिट को चुनौती दी गई थी। जज ए एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली पीठ ने एसआईटी द्वारा दायर क्लोजर रिपोर्ट के खिलाफ जाफरी की विरोध याचिका को खारिज करने के विशेष मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट के आदेश को बरकरार रखा। कोर्ट ने ने गुजरात हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा और कहा कि जाफरी की याचिका में कोई दम नहीं है। बता दें कि गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस के एक डिब्बे में आग लगने के एक दिन बाद 28 फरवरी 2002 को अहमदाबाद में गुलबर्ग सोसाइटी में मारे गए 68 लोगों में एहसान जाफरी भी शामिल थे। साबरमती एक्सप्रेस में लगी आग के चलते 59 लोग मारे गए थे। इसके बाद गुजरात में दंगे हुए थे। वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी एसआईटी की ओर से कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने पीठ से कहा कि सुप्रीम कोर्ट को जाफरी की याचिका पर निचली अदालत और गुजरात हाई कोर्ट के फैसले का समर्थन करना चाहिए। ऐसा नहीं हुआ तो यह एक अंतहीन कवायद का परिणाम होगा। सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सीतलवाड़ अपने कुछ उद्देश्यों के कारण इसे चला रहीं हैं। सीतलवाड़ याचिका में याचिकाकर्ता नंबर 2 हैं। जाकिया जाफरी की ओर से पेश हुए कपिल सिब्बल ने कोर्ट को बताया कि एसआईटी ने जांच नहीं की। बल्कि एसआईटी ने आरोपियों को बचाने के लिए उनका सहयोग किया। एसआईटी की जांच दंगों के साजिशकर्ताओं को बचाने के लिए की गई। एसआईटी के अधिकारियों के साथ-साथ पुलिस को भी इसके लिए इनाम दिया गया। गौरतलब है कि वर्ष फरवरी 2002 में हुए दंगों के दौरान मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे। अहमदाबाद गुलबर्ग सोसायटी में हुए दंगों में कांग्रेस के पूर्व सांसद अहसान जाफरी की मौत हो गई थी। दिवंगत सांसद अहसान जाफरी की पत्नी जाकिया जाफरी ने इसे एक षडयंत्र बताते हुए वर्ष 2006 में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी को जाकिया जाफरी के आरोपों की जांच करने का देश दिया था। फरवरी 2012 में एसआईटी ने मोदी समेत 64 लोगों को क्लीन चिट देते हुए क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी। एसआईटी की क्लोजर रिपोर्ट को जाकिया जाफरी ने निचली अदालत में चुनौती दी थी। निचली अदालत और गुजरात हाईकोर्ट में याचिका खारिज होने के बाद जाकिया जाफरी ने वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। आज सुप्रीम कोर्ट ने भी एसआईटी की क्लोजर रिपोर्ट को चुनौती देने वाली जाकिया जाफरी की याचिका को खारिज कर दिया है।

सूरत में नाबालिग लड़की के साथ युवक पर रेप का आरोप

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में जी9 शॉपिंग सेंटर के पास सार्वजनिक सड़क पर एक किशोरी रो रही थी. किशोरी को रोता देख लोग वहां जमा हो गए और लोगों ने किशोरी से पूछा तो उसने कहा, ''मुझे एक विधर्मी लड़के ने ओयो होटल लाया और पीटा।'' किशोरी ने इसकी सूचना दी तो लोग उसे डिंडोली थाने ले गए और थाने ले जाने पर पता चला कि किशोरी एक विधर्मी युवक के साथ ओयो आई थी। विधर्मी अभी कुछ घंटे पहले ही एक अन्य किशोर के साथ आया था।

किशोरी ने वश में करने से मना किया तो युवक भड़क गया और किशोरी से हाथापाई करने लगा। हाथापाई के बाद युवक भाग गया और किशोरी भी रोते हुए नीचे आ गई। किशोरी ने यह सब बात डिंडोली थाने को बताई तो डिंडोली थाने में मौजूद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल युवक को दौड़ा लिया. एसीपी जे.टी. सोनारा ने कहा कि पुलिस द्वारा उसके पिता को सभी तथ्यों से अवगत कराने के बाद किशोरी ने शिकायत दर्ज कराई। पता चला कि वह सोशल मीडिया के जरिए तोफीक पटेल नाम के युवक के संपर्क में आया और फिर उसे अपने घर ले गया। किशोरी ने अपनी मर्जी के खिलाफ लगातार शारीरिक संबंध बनाने की शिकायत की है। पूरी घटना का पता तब चला जब किशोरी को होटल बुलाया गया। आरोपी पर दुष्कर्म, अपहरण और चेचक का आरोप लगाया गया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सूरत में एक विधर्मी युवक ने एक किशोरी को होटल में बुलाया और कुछ घंटे पहले उसे एक अन्य किशोरी के साथ होटल में आने के लिए मजबूर किया।